MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

ज़िन्दगी इतनी मुश्किल इसलिए है क्यूंकि लोग आसानी से मिली चीज की कीमत नहीं जानते

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-08 ❖ मुंबई ❖ रविवार 14 से 20 फरवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3 उत्तरभारतीय समाज तय करेगा मुंबई का महापौर: कृपाशंकर

पेज 5 सीएम नीतीश की महत्वाकांक्षी नल जल योजना जलापूर्ति में आ रही कोई शिकायत तो डायल करें ये नंबर

पेज 7 कोरोना काल के बाद सिंगर फैजल सुलेमान का कमबैक

पेज 8 कच्छ के ब्रजवानी धाम में "मानस ब्रजवानी" शिर्षक अंतर्गत मोरारीबापू का कथा गान

शिवसेना विकासकार्यों के दम पर ही नासिक मनपा में विजय हासिल करेगी शिवसेना नेता, सांसद संजय राऊत

नासिक, हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे ने नगरपिता का नामकरण नगरसेवक किया था। नगरसेवक जनता का सेवक होता है। नासिक में शिवसेना नगरसेवक बहुत तेजी से विकास कार्य कर रहे हैं। इन्हीं कार्यो के दम पर शिवसेना नासिक मनपा चुनाव में विजय हासिल करेगी, ऐसा विश्वास शिवसेना नेता, उत्तर महाराष्ट्र विभाग नेता व सांसद संजय राऊत ने शनिवार को व्यक्त किया। नासिक में संजय राऊत के हाथों प्रभाग २६, ३१ और २९ के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। इस मौके पर उन्होंने प्रभाग के सभी नगरसेवक- नगरसेविका के कामों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मूलत: नागरिकों की जरूरतें बहुत छोटी होती हैं। पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, छोटे अस्पताल यही

काम होते हैं। शिवसेना नगरसेवक बड़ी तेजी से अपने विकास काम को अंजाम दे रहे हैं। संजय राऊत ने नगरसेवकों के कार्यों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिछले ३० से ४० वर्षों में नासिक का वातावरण बदलते ही राज्य का वातावरण अपने आप बदल जाता है। यह मेरा अनुभव रहा है। इसलिए पहले नासिक बदलना चाहिए, इसलिए मैं बार-बार यहां आता हूं। नासिक की जनता हमारे साथ खड़ी है। पिछले लंबे समय की बातों को भूलकर हमें आगे आना है। नई सुबह हो रही है। शिवसेना नगरसेवकों के विकास कामों के बल पर ही मनपा में हम जीतेंगे। इस कार्यक्रम में उपनेता बबनराव घोलप, जिला संपर्कप्रमुख भाऊ चौधरी, जिलाप्रमुख विजय करंजकर, पूर्व विधायक वसंत गीते, योगेश घोलप, पूर्व महापौर विनायक पांडे, पूर्व जिला प्रमुख दत्ता गायकवाड, महानगर प्रमुख सुधाकर बडगूजर, मनपा विरोधी पक्ष नेता अजय बोरस्ते, शिवसेना गुटनेता विलास शिंदे, नगर सेविका सत्यभामा गाडेकर, संगीता जाधव, हर्षदा गायकर, जयश्री खरजुल, सुनीता कोटुडे, मंगला आढाव, नगरसेवक भागवत आरोटे, सूर्यकांत लवटे, संतोष गायकवाड, प्रशांत दिवे, मधुकर जाधव, आरडी धोगड़े, केशव पोरजे, शिवाजी चुंबले, चंद्रकांत लवटे, अमोल जाधव, सचिन मराठे, देवानंद बिरारी, किरण दराडे आदि उपस्थित थे। पीएम मोदी क्या कर रहे हैं पता नहीं?

सांसद संजय राऊत ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं प्रधानमंत्री नहीं प्रधान सेवक हूं। जनप्रतिनिधि के लिए सेवक शब्द हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे ने दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी क्या सेवा करते हैं? यह तो पता नहीं। यदि देखना है तो गाजीपुर में जाकर किसान आंदोलन में देखें। मैं वहां जाकर आया हूं।

ठाणे की किस्मत खुली!... विकास के लिए 450 करोड़ रुपए हुए मंजूर

ठाणे, ठाणे जिले की किस्मत खुल गई है। जिले के विकास कार्यो के लिए सरकार ने हरी झंडी दिखा दी है। इसके लिए राशि भी मंजूर कर दी गई है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में ठाणे जिले की वार्षिक योजना अंतर्गत वर्ष २०२१-२२ के लिए ४५० करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि जिला वार्षिक योजना के लिए वर्ष २०२१-२२ के लिए ३३२.९५ करोड़ खर्च की सीमा तय की गई थी। जिले की आवश्यकता तथा अनेक विभागों द्वारा पेश की गई योजनाओं के मद्देनजर ११७ करोड़ ज्यादा यानी ४५० करोड़ की मंजूरी दी गई। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री एवं जिले के पालकमंत्री एकनाथ शिंदे, गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड, वित्त राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई, जिला परिषद अध्यक्षा सुषमा लोणे, जिले

के सभी विधायक, विभागीय आयुक्त आण्णासाहेब मिसाल, जिला अधिकारी राजेश नार्वेकर, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाऊसाहेब दांगडे, जिल्हा नियोजन अधिकारी अमोल खंडारे आदि उपस्थित रहे।

भिवंडी कोविड अस्पताल बनेगा

जिला अस्पताल भिवंडी के सावद परिसर स्थित कोविड अस्पताल को हमेशा के लिए जिला अस्पताल करने के लिए निधि की मांग पालक मंत्री एकनाथ शिंदे सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा जिला प्रशासन द्वारा की गई। इस संबंध में सार्वजनिक आरोग्य विभाग से विचार-विमर्श कर आगामी बजट में इसके लिए ज्यादा-से-ज्यादा निधि उपलब्ध कराने का आश्वासन पवार ने दिया है। आय-पास प्रणाली का प्रभावी उपयोग करने, नियोजन समिति की नियमित बैठक लेने, समय पर प्रशासकीय मान्यता देने, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जमाती वर्ग की योजनाओं तथा नई योजनाओं को प्रभावी तरीके लागू करने पर अतिरिक्त अनुदान देने की बात कही गई है।

दिवाली धमाका... मुंबई के 4 हजार घरों की बंपर लॉटरी!... उम्मीद की किरण लेकर आई म्हाडा

मुंबई, मुंबई में अफोर्डेबल घरों की आस में बैठे लोगों के लिए म्हाडा उम्मीद की किरण लेकर आई है। म्हाडा अपने ४००० घरों की लॉटरी दीवाली पर निकालने जा रही है। कोरोना काल के चलते लॉटरी का मुहूर्त नहीं निकल पा रहा था। अब म्हाडा दीवाली पर बंपर लॉटरी निकालेगी, सभी श्रेणी के घर इस लॉटरी में शामिल हैं।

इसमें सबसे ज्यादा घर पहाड़ी गोरेगांव के ३,४०० घर शामिल हैं, साथ ही अन्य इलाकों के ६०० घर लॉटरी में उपलब्ध हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में म्हाडा अपने कोंकण मंडल के ७,५०० घरों की लॉटरी की घोषणा कर चुकी है।

कोरोना की वजह से रुकी थी लॉटरी

गौरतलब है कि म्हाडा प्रति वर्ष घरों की लॉटरी निकालती है लेकिन कोरोना के चलते २०२० में लॉटरी नहीं निकली।

प्राइवेट बिल्डरों के मकानों की आसमान छूती कीमतों के चलते लोगों का झुकाव म्हाडा की ओर अधिक रहता है।

म्हाडा मुंबई मंडल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस बार म्हाडा दीवाली पर अपने मुंबई में बने ४००० घरों की लॉटरी निकालेगी इसमें पहाड़ी गोरेगांव के घरों की संख्या अधिक है।

सस्ते घर का सपना

महाविकास आघाड़ी सरकार लोगों को सस्ते घर अधिक से अधिक आम नागरिकों को मिले, इसके लिए गंभीरता से काम कर रही है। हाल ही में बीडीडी चॉल निवासियों की रिडेवलपमेंट का काम शुरू किया गया है जिनके घरों की लॉटरी भी निकल गई है।

मार्च महीने में म्हाडा कल्याण, खोनी, शिरदोन, भंडारली में बने ७,५०० घरों की लॉटरी निकालने जा रही है।

कांजुरमार्ग का मेट्रो कारशेड करेगा कमाल!... रु. 1,580 करोड़ की होगी बचत

मुंबई, कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज मेट्रो परियोजना-३ के लिए कारशेड आरे की जगह यदि कांजुरमार्ग में बनाया गया तो राज्य सरकार के १,५८० करोड़ रुपए बचेंगे। मेट्रो कारशेड अध्ययन के लिए मुख्य सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में ९ सदस्यों की समिति गठित की गई थी। समिति ने रिपोर्ट में कांजुरमार्ग में मेट्रो कारशेड बनाने को लेकर सकारात्मकता दर्शाई है।

फैलाए गए दुष्प्रचार

मेट्रो-३ कारशेड आरे से हटाकर कांजुरमार्ग में बनाने को लेकर पिछले कई महीनों से विवाद शुरू है। मेट्रो कारशेड किसी और स्थान पर बनाया गया तो परियोजना का खर्च बढ़ेगा, इस प्रकार का दुष्प्रचार विरोधी दलों की ओर से कारशेड मुद्दे पर किया जा रहा है। इस मामले को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति ने कांजुरमार्ग में मेट्रो बनाने को फायदेमंद बताया है। समिति ने रिपोर्ट में कांजुरमार्ग में कारशेड निर्माण को उचित बताया है। कांजुरमार्ग की जगह आरे की तुलना में बड़ी है। आरे कारशेड में सिर्फ ३० मेट्रो गाड़ियां खड़ी की जा सकती हैं जबकि कांजुरमार्ग में ५५ मेट्रो गाड़ियां खड़ी की जा सकती हैं।

क्या कहते हैं विरोधी दल?

मेट्रो-३ का कारशेड आरे से हटाए जाने पर परियोजना लटक जाएगी और राज्य का बहुत नुकसान होगा। सरकारी अधिकारियों की तरफ से मुख्यमंत्री को भ्रमित किया जा रहा है। निजी विकासकों को आर्थिक लाभ देने के उद्देश्य से यह हो रहा है। ऐसा आरोप विपक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने लगाया है।

क्या है विवाद?

मेट्रो-३ कारशेड को कांजुरमार्ग में बनाने के निर्णय के बाद केंद्र सरकार ने कांजुरमार्ग भूखंड पर अपना दावा जताया और उक्त भूखंड साल्ट विभाग का होने की वजह से वहां पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण होने पर कार्रवाई का बोर्ड लगाया था। इस बीच एक बिल्डर ने दावा किया कि यह भूखंड कुछ वर्षों पहले उसने साल्ट विभाग से किराए पर लिया है। विभाग और उसके बीच करार हुआ है। महेश कुमार गरोड़िया ने तो उपनगर जिलाधिकारी को नोटिस भेजकर कांजुरमार्ग भूखंड में खुदाई का काम रोकने की मांग की। इस मामले में उच्च न्यायालय ने भी गरोड़िया के दावे को अंतिम निर्णय आने तक कायम रखा है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती गृह विभाग ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई, राज्य में १९ फरवरी को मनाए जानेवाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती समारोह में अब १०० लोग शामिल हो सकेंगे। हालांकि, समारोह में शामिल होनेवाले सभी लोगों को लॉकडाउन के नियमों का पालन करना होगा। राज्य सरकार ने इस संबंध में कल शुक्रवार को नई गाइडलाइन जारी की है। इससे पहले राज्य सरकार ने सिर्फ १० लोगों को ही इस समारोह में शामिल होने की अनुमति दी थी।

अनिवार्य रूप से लॉकडाउन का नियम पालन करना होगा

छत्रपति शिवाजी महाराज समारोह को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी नई गाइडलाइन में कहा गया है कि जहां भी यह समारोह हो रहा है, वहां सिर्फ १०० लोग मौजूद रहेंगे। सभी के चेहरे पर मास्क होना चाहिए। आयोजनकर्ता इस बात को सुनिश्चित करें कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त मात्रा में सैनिटाइजर और मास्क

मौजूद रहे। अगर किसी भी जगह पर गाइडलाइन के नियमों का उल्लंघन होता है तो आयोजकों पर कार्रवाई की जाएगी।

शिव जयंती हमारे लिए श्रद्धा का विषय है। शिवसेना ने भिवंडी में बंद हुए शिव जयंती उत्सव को शुरू करके दिखाया है, यह शिवभक्तों की सरकार है इसलिए शिव जयंती के विरोध का प्रश्न ही नहीं उठता। कोरोना अभी भी खत्म नहीं हुआ है इसलिए सावधानी की सूचना दी गई है। – सुभाष देसाई (उद्योग मंत्री)

सेलिब्रेटी के कुत्ते का केयरटेकर निकला ड्रग सप्लायर

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में जिस व्यक्ति को कुत्ते का केयर टेकर बनाया गया था, वह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का बड़ा ड्रग सप्लायर निकला। नाम है उसका नंदू कश्यप। डीसीपी दत्ता नलावडे के मुताबिक हमने नंदू के साथ शेल्डन डिसिल्वा नामक आरोपी को भी पकड़ा है। दोनों के पास से 34 लाख रुपये से ज्यादा कीमत की ड्रग्स पकड़ी है। एक दिन में मुंबई में ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ तीन बड़े ऑपरेशन में करीब 5 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स जब्त की गई। दरअसल शुक्रवार को बांद्रा ऐंटि नार्कोटिक्स सेल के सीनियर इंस्पेक्टर अनिल वाढवणे को किसी ने एक बस डिपो के पास दो लोगों के दो अलग बैगों के साथ संदिग्ध हालत में घूमने की टिप दी थी। इसी के बाद जांच टीम वहां पहुंची। दोनों के बैगों की तलाशी ली गई। एक बैग में 800 ग्राम, जबकि दूसरे बैग में 300 ग्राम ड्रग्स मिली। इसके अलावा एक लाख रुपये से ज्यादा कैश भी मिला। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, नंदू कश्यप और डिसिल्वा एक ही इलाके में रहते हैं। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, मुंबई में नेपाल से भी ड्रग्स की तस्करी होती है। गैंग के लोग बिहार में किशन गौड़ और सूरज के लोगों तक यह ड्रग्स भेजते थे। ऐसी की करीब 26 किलो ड्रग्स गत सितंबर महीने में बिहार में जब्त की भी गई थी।

शिवसेना का कोश्यारी पर हमला- 'निजी यात्रा के लिए नहीं है सरकारी विमान, गवर्नर को वापस बुलाए केंद्र'

मुंबई, शिवसेना और महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के बीच में जंग काफी तेज हो गई है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए कोश्यारी पर निशाना साधा है। सामना संपादकीय में लिखा गया है कि राजभवन में नियम-कानूनों की ऐसी अवहेलना होना काला कृत्य है। गृह मंत्रालय को भारतीय संविधान, नियम, कानून आदि से नफरत होगी तो ऐसे राज्यपाल का पूरा वस्त्रहरण होने से पहले गृह मंत्रालय को उन्हें वापस बुला लेना चाहिए। राज्यपाल के कंधे पर बंदूक रखकर केंद्र की आघाड़ी सरकार पर निशाना नहीं साधा जा सकता है। सरकार स्थित व मजबूत है और रहेगी। राज्यपाल का क्या करना है, यह बीजेपी की समस्या है! चर्चा में आये राज्यपाल सामना ने लिखा है कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। श्री कोश्यारी कई वर्षों से राजनैतिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं। विधिमंडल तथा संसद के दोनों सदनों में उन्होंने काम किया है। केंद्र में मंत्री बने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने काम किया। फिर भी वे इतनी चर्चा में कभी नहीं आए। महाराष्ट्र का राज्यपाल बनने के बाद से यह सामान्य व्यक्ति किसी-न-किसी कारण से चर्चा अथवा विवाद में रहा है। 'समझदार बनिये राज्यपाल' सामना ने लिखा है कि राज्यपाल को तो समझदार लोगों जैसा बर्ताव करना चाहिए, ऐसी मान्यता होने के बाद भी महाराष्ट्र के राज्यपाल जाल में पांव फंसाकर बार-बार क्यों गिर रहे हैं। राज्यपाल महोदय को सरकारी विमान उड़ाते हुए उनके अपने गृहराज्य अर्थात देहरादून जाना था। परंतु महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें विमान के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी। राज्यपाल महोदय गुरुवार की सुबह विमान में जाकर बैठ गए। परंतु उड़ान की अनुमति नहीं होने के कारण उन्हें नीचे उतरना पड़ा तथा प्रवासी विमान से देहरादून आदि भागों में जाना पड़ा। अब इस पूरे प्रकरण को लेकर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी उठापटक करते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रही होगी तो विपक्ष पहली धार की मारकर हंगामा कर रहा है, ऐसा ही कहना होगा।

'निजी दौरे के लिए सरकारी विमान क्यों' सामना ने लिखा है कि राज्यपाल का यह दौरा निजी था इसलिए नियमत: सरकारी विमान का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। ऐसा अवगत कराने के बाद भी राज्यपाल विमान में बैठ गए

(राज्यपाल कहते हैं उनका दौरा निजी नहीं था)। राज्यपाल ही क्या मुख्यमंत्री को भी निजी इस्तेमाल के लिए सरकारी विमान के अनुमति की इजाजत नहीं है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने नियम का पालन ही किया। इसमें राज्यपाल से विवाद का सवाल ही कहां उठता है

डेटा ट्रैफिक से आगे

साल 2020 में डेटा ट्रैफिक में 36 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। लेकिन अभी कहा जा रहा है कि वैक्सीन मिलने और कोरोना का फैलाव कम होने के बाद जैसे-जैसे स्कूल-कॉलेज और दफ्तर वगैरह खुलते जाएंगे, वैसे-वैसे डेटा यूज में कमी दर्ज की जा सकती है। इसी हफ्ते नोकिया की ओर से जारी एक स्टडी रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डेटा ट्रैफिक में 60 गुना बढ़ोतरी हुई है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक दिलचस्प तथ्य यह भी सामने आया है कि 5जी टेक्नॉलजी भले ही अभी भारत में न आई हो, लेकिन 5जी डिवाइस खरीदने वालों की देश में कोई कमी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक अपने यहां अभी ही 20 लाख ऐसी डिवाइस मौजूद हैं। इससे अंदाजा मिलता है कि मोबाइल टेक्नॉलजी में हो रहे बदलावों को लेकर देशवासियों में कितना उत्साह है। हालांकि पांच वर्षों के अंदर डेटा ट्रैफिक में 60 गुना बढ़ोतरी के पीछे कई फैक्टर रहे हैं, लेकिन बड़ी बात

यह है कि इन सबके घटते-बढ़ते प्रभावों के बीच भी यह रुझान बढ़त पर ही जा रहा है। पिछले साल लॉकडाउन का दौर इसमें काफी मददगार साबित हुआ।

साल 2020 में डेटा ट्रैफिक में 36 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। लेकिन अभी कहा जा रहा है कि वैक्सीन मिलने और कोरोना का फैलाव कम होने के बाद जैसे-जैसे स्कूल-कॉलेज और दफ्तर वगैरह खुलते जाएंगे, वैसे-वैसे डेटा यूज में कमी दर्ज की जा सकती है। लेकिन इस दौरान ओटीटी प्लैटफॉर्म की लोकप्रियता में आई उछाल और लोगों की ज्यादा से ज्यादा काम ऑनलाइन निपटाने की बढ़ी हुई आदत को रेखांकित करते हुए कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इस ट्रेंड में जल्दी कोई उतार नहीं आने वाला। बहरहाल, ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि इस लगातार बढ़ते डेटा ट्रैफिक का नेचर कैसा है। इस लिहाज से गौर करें तो देश में इस्तेमाल हो रहा अधिकाधिक डेटा कन्ज्यूमिंग नेचर की गतिविधियों पर ही खर्च हो रहा है। इससे लोगों के दैनिक जीवन में थोड़ी गुणवत्ता जरूर आती है, लेकिन समाज की प्रॉडक्टिविटी बढ़ाने में खास मदद नहीं मिलती। इसे नापने का अच्छा तरीका यह देखना है कि इस डेटा का इस्तेमाल आम लोग अपनी कमाई बढ़ाने में कर पाते हैं या नहीं। निश्चित रूप से यूट्यूब जैसे मंचों ने आम लोगों को अपनी कला दिखाने के साथ-साथ कमाई करने का भी एक जरिया मुहैया कराया है, लेकिन इस्तेमाल हो रहे डेटा के अनुपात में ऐसे लोगों और उनके उत्पादों का दखल अभी भी बहुत कम है।

ध्यान रखना होगा कि यह बदलाव अपने आप नहीं होगा। कोई भी टेक्नॉलजी आती है तो उसे लाने वाली ताकतों का फोकस उससे खुद कमाई करने पर होता है। आम लोगों को कमाई का मौका देने वाली टेक्नॉलजी लाने या उपलब्ध टेक्नॉलजी को ही आम लोगों के लिए ज्यादा लाभदायक बनाने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत पड़ती है।

भारत-चीन: आखिर बनी सहमति

किरीट ए. चावड़ा

महीनों चले गतिरोध के बाद आखिर भारत-चीन सीमा पर आमने-सामने तैनात सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में दोनों पक्षों के बीच इस बारे में बनी सहमति की घोषणा की। बीते जून में गलवान घाटी में हुई भिड़ंत के बाद से दोनों देशों के आपसी रिश्तों में जिस तरह का संदेह और अविश्वास घर कर गया है, उसके दूर होने में तो समय लगेगा लेकिन पैंगोंग झील के पास से दोनों सेनाओं का अपने-अपने स्थान से पीछे हटना यकीनन एक अच्छी शुरुआत है। खासकर इसलिए भी कि जैसा रक्षामंत्री ने संसद में बताया, सहमति अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस जाने को लेकर बनी है। पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर चीनी सैनिक फिंगर 8 के पास रहेंगे और भारतीय सैनिक फिंगर 3 के पास। अप्रैल से पहले तक भारतीय टुकड़ियां फिंगर 8 तक गश्त लगाती थीं, लेकिन अभी फिंगर 3 से 8 के बीच गश्त लगाने पर अस्थायी रोक रहेगी। तनाव के दौरान इस क्षेत्र में जो निर्माण किए गए हैं, उन्हें हटाए जाने की बात भी खासी महत्वपूर्ण है। हालांकि इस पहलू को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि यह समझौता सिर्फ एक विवादित क्षेत्र को लेकर

हुआ है। उत्तर में डेपसॉन्ग मैदान और दक्षिण में गलवान घाटी समेत विवाद के बाकी बिंदुओं पर फिलहाल कोई सहमति नहीं बनी है। राजनाथ सिंह ने भी अपने बयान में इस तरफ इशारा करते हुए कहा है कि विवाद के कई बिंदु अभी पेंडिंग हैं। फिर भी जितनी सहमति बनी है उसकी अहमियत कई बिंदुओं पर विवाद बचे रह जाने के कारण कम नहीं हो जाती। इससे यह उम्मीद तो जगी है कि दोनों पक्ष थोड़ी समझदारी दिखाएं तो विवादों के बीच भी तनाव कम करने की राह निकाली जा सकती है। सेनाओं के पीछे हटने की शुरुआत इस मायने में महत्वपूर्ण है कि इससे सीमा पर कभी भी कुछ भी हो जाने का डर कम होता है, खजाने पर पड़ने वाला अनावश्यक बोझ घटता है और एक साथ दो-दो सीमाओं पर युद्ध की आशंका के बीच जीने की मजबूरी खत्म होती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को स्थायी तौर पर हल करने का लक्ष्य काफी दूर है, लेकिन अगर परस्पर विश्वास के साथ एक-दूसरे के दावों और वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करते हुए बातचीत जारी रखें तो सहयोगपूर्ण रिश्ते उसी तरह जारी रह सकते हैं, जैसे पिछले तीन दशकों से बने हुए थे। चीन की हालिया हरकतों से आपसी विश्वास की बुनियाद में दरार पड़ गई है लेकिन कोशिश की जाए तो यहां से भी हालात संभाले जा सकते हैं। पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों को लेकर बनी इस सहमति पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि यह अन्य क्षेत्रों में भी सहमति कायम करने का आधार बन सके।

प्रेम निवेदन की भारतीय परंपरा

जिगर डी वाढेर

आखिर वैलंटाइन डे आ पहुंचा। यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं है। यह ल्यूपरसेलिया नामक एक प्राचीन रोमन त्योहार है, जो 14 वीं शताब्दी तक आते-आते प्रेम की अभिव्यक्ति के दिन में बदल गया। यहां वह अब इतना प्रचलित हो चला है कि संस्कृति के रक्षकों को पहरेदारी करनी पड़ती है। लेकिन भारत में प्रेम के निवेदन और उसकी अंतरंगता की स्वीकृति की अपनी गहन परंपरा रही है। पुराणों में इसकी कहानियां भरी पड़ी हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि हमारे यहां की विदुषी स्त्रियों ने ऐसे प्रेम निवेदनों को किस तरह स्वीकार किया है।

इस प्रसंग में लोपामुद्रा का चरित्र अद्भुत है। लोपामुद्रा उन 27 ऋषिकाओं में से एक थीं, जिन्होंने ऋग्वेद की रचना में अपना योगदान किया था। उन्होंने छह सूक्तों की रचना की थी, जो संभोग की देवी रति को समर्पित हैं और जिनमें स्त्री-पुरुष के अंतरंग संबंधों की व्याख्या की गई है। ऋग्वेद के सूक्तों की रचना का काल ईसा पूर्व 1950 से ईसा पूर्व 1100 के बीच माना जाता है, हालांकि इस काल निर्धारण को लेकर विवाद भी उठते रहते हैं।

लोपामुद्रा विदर्भ की राजकुमारी थीं। अगस्त्य मुनि उन्हें ब्याह कर अपने आश्रम में ले आए और अपनी साधना में लीन हो गए। लोपामुद्रा भी एक समर्पित पत्नी की तरह अपने अध्ययन और आश्रम के कार्यों में लग गईं। लेकिन एक दिन जब अगस्त्य ने उनसे प्रेम निवेदन किया तो उन्होंने कहा, 'हे मुनि, प्रेम अकेले नहीं किया जा सकता। इसका सुख भी अकेले नहीं प्राप्त किया जा सकता। यह सुख तभी है, जब दोनों को उसकी समान अनुभूति हो।'

'तो इसके लिए मुझे क्या करना होगा?' अगस्त्य ने पूछा।

लोपामुद्रा ने कहा, 'मैं राजमहल में पली हूं, उसी वातावरण और उन्हीं सुविधाओं में अबाधित सुख का अनुभव कर सकूंगी।'

'मैं राजसुख से वंचित तपस्वी हूं, वह वैभव या सुख सामग्री कहां से लाऊंगा? आपने जब इस विवाह को स्वीकार किया था तो इस विषय में भी अवश्य सोचा होगा', अगस्त्य ने कहा।

लोपामुद्रा बोलीं, 'नहीं, विवाह मैंने इसलिए किया, क्योंकि अपने पिता का दुख नहीं देखना चाहती थी। आपने राज्य को नष्ट करने की धमकी दी थी। आपके पराक्रम ने मेरे पिता को अवश बना दिया था। विवाह के बाद मैंने निष्ठापूर्वक आपका साथ दिया। लेकिन जो सुख आप चाहते हैं, उसके लिए उस सुख को पाने की योग्यता दिखानी होगी।'

इसके बाद अगस्त्य मुनि ने अपने तपोबल के नष्ट हो जाने का तर्क रखा, लेकिन लोपामुद्रा ने उसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'प्रेम से तप का फल नष्ट नहीं होता। यह वह फल है, जिसे आप तप से प्राप्त करते हैं।'

और अंतत: अगस्त्य मुनि को धन की तलाश में बाहर निकलना पड़ा। लोपामुद्रा ने प्रेम का निवेदन स्वीकार तो किया, लेकिन मुनि को भी यह समझा दिया कि प्रेम सिर्फ एक की आकांक्षा का नाम नहीं है। दूसरे के मन में भी वह आकांक्षा पैदा हो, इसके लिए स्वयं को उसके अनुरूप बदलना होता है। लोपामुद्रा ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि दांपत्य जीवन के समर्पण और सुख की सहभागिता में अंतर है।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की प्राचीन इतिहास की प्रोफेसर, डॉ. अर्चना शर्मा कहती हैं कि इससे ज्यादा क्रांतिकारी चरित्र सत्यवती का है, जिसे दो बार प्रेम के प्रस्ताव मिले थे, एक बार मत्स्यगंधा के रूप में और दूसरी बार योजनगंधा या सत्यवती के रूप में। दोनों बार वे प्रस्ताव उसने अपनी ही शर्तों पर स्वीकार किए।

सत्यवती, लोपामुद्रा की तरह कोई ऋषिका या विदुषी दार्शनिक नहीं थी, एक सामान्य नाविक की बेटी थी, जो यात्रियों को नदी के पार पहुंचाया करती थी। उससे मछली की तीव्र गंध आती थी, जो उसके सान्निध्य को अरुचिकर बनाती थी। लेकिन ऋषि पराशर उस पर मोहित हुए और उससे प्रेम निवेदन किया।

मत्स्यगंधा ने भी निवेदन स्वीकार किया, लेकिन उसने तीन शर्तें रखीं। पराशर को वे शर्तें माननी पड़ीं, जिनमें से एक शर्त मछली के उस गंध से उसे मुक्ति दिलाने की थी। यह सोचने की बात है कि इस एकल संबंध के बाद जिस तरह पराशर मुनि अप्रभावित रहे और अपने तपोव्रत के लिए चले गए, उसी तरह मत्स्यगंधा भी अक्षत और स्वतंत्र रही।

मछली की गंध समाप्त होने के बाद वही कन्या सत्यवती बनी, जिसकी सुगंध और सौंदर्य के आगे हस्तिनापुर के राजा शांतनु विवश हो गए।

उन्होंने सत्यवती के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा और वह प्रस्ताव किन शर्तों पर स्वीकार हुआ, यह कथा सबको मालूम है। राजा शांतनु को मानना पड़ा कि उसी से उत्पन्न पुत्र उनके राज्य का उत्तराधिकारी बनेगा। सत्यवती की इस कथा और उसके व्यक्तित्व की दृढ़ता का उल्लेख सिर्फ महाभारत में नहीं, देवी भागवत और हरिवंश पुराण में भी मिलता है।

प्रेम का निवेदन करने और उस निवेदन को स्वीकार करने को हमारी प्राचीन संस्कृति में दोष नहीं माना गया है। लेकिन वह किसी लोलुप की इच्छा और किसी वंचित, लाचार या कमजोर स्त्री की स्वीकृति की तरह नहीं होना चाहिए। हमारे प्राचीन साहित्य में ही एक कथा शकुंतला और दुष्यंत की भी है। कण्व ऋषि के आश्रम में राजा दुष्यंत का प्रेम प्रस्ताव स्वीकार कर लेने के बाद शकुंतला को न सिर्फ अकेले वन में समय बिताना पड़ा, बल्कि दुष्यंत की राजसभा में अपमानित भी होना पड़ा। दुष्यंत ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया, उसे अपनी पहचान साबित करनी पड़ी। दुष्यंत प्रतापी राजा थे। वे अपनी राजमुद्रा तो पहचान सकते थे, लेकिन जिससे प्रेम किया था, उसे नहीं पहचान सके। निश्चित रूप से ऐसा प्रेम निवेदन पाने की आकांक्षा तो स्त्री नहीं कर सकती।

उसे पुरुष को प्रेम की लालसा की क्षणिकता से बाहर निकालना होता है। जैसे अगस्त्य और शांतनु (पुरुष) को प्रेम का सुख प्राप्त करने के योग्य साबित होना पड़ा था, उसी तरह लोपामुद्रा और सत्यवती (स्त्री) को भी भावना के आवेश में बहने की जगह उस लक्ष्मणरेखा पर दृढ़ता से खड़े रहना पड़ा था, जो उन्होंने स्वयं खींची थी। प्रेम के निवेदन और स्वीकृति के उस विस्तार को वैलंटाइन डे के गिफ्ट में कैसे बांधा जा सकता है?

ग्लेशियर का टूटना और उससे होने वाली भयानक तबाही

भूपेन्द्र पटेल

उत्तराखंड के चमोली जिले में 7 फरवरी 2021 को कुदरत ने तांडव मचा दिया। सुबह 10:30 से 11:00 के करीब नंदा देवी ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटा तो सारा मंजर भयानक तबाही में बदल गया। न बादल फटा, न बारिश हुई, हिमालय की चोटी पर अचानक हलचल हुई, ग्लेशियर दरका और सैलाब का समंदर फूट पड़ा। ग्लेशियर टूटने से ऋषि गंगा नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया और इस सैलाब के सामने डैम, मकान, इंसान जो भी आया वह बहता चला गया। पानी और मलबे के साथ मौत चुपके से पहाड़ से नीचे उतरी और कई मासूमों को अपने साथ बहा ले गई। कुदरत के इस कहर से पूरा उत्तराखंड थर्रा उठा। वर्ष 2013 की केदारनाथ महाप्रलय की तस्वीर फिर से आंखों में तैर गई।

उत्तराखंड में तबाही

चमोली में यह तबाही किस वजह से आई इसका ठोस कारण तो अभी पता नहीं चला है, किंतु यह बड़ा सवाल उठ रहा है कि 7 सालों में दूसरी बार ऐसी त्रासदी क्यों आई? क्या हम किसी बहुत बड़े संकट के मुहाने पर खड़े हैं? इसका पता लगाना अब बहुत जरूरी है। उत्तराखंड के चमोली की विनाशकारी घटना का कारण है ग्लेशियर का टूटना। इसका मतलब यह है कि ग्लेशियर के किसी हिस्से के टूटने या फटने के कारण उत्तराखंड के चमोली में ऋषि गंगा नदी में फ्लैश फ्लड आया, हिमस्खलन के बाद नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया और तबाही मचाते हुए सैलाब तेजी से नीचे आने लगा।

बहुत ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में सालों तक भारी बर्फ जमा होने और एक जगह इकट्ठे होने पर ग्लेशियर बन जाते हैं। ये ग्लेशियर ज्यादातर आइस शीट यानी बर्फ की परतों के रूप में होते हैं और जब कोई भूगर्भीय हलचल होती है तो इन पर्तों के बीच हरकत होने से ये ग्लेशियर कई बार टूट जाते हैं। ग्लेशियर एक प्रकार के नेचुरल डैम हैं, ये नेचुरल डैम हाइट पर बनते हैं। जब कोई ग्लेशियर अपनी जगह छोड़ देता है तो इसके पीछे जो पानी ब्लॉक करके जमा होता है वह पूरी तरह बह जाता है। कई बार ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से भी ग्लेशियर के बड़े-बड़े टुकड़े टूटने लगते हैं, इसे ही ग्लेशियर बर्स्ट कहते हैं। हालांकि इस सर्दी के मौसम में उत्तराखंड में इस प्रकार ग्लेशियर का टूटना एक हैरानदायक घटना है, क्योंकि जानकारी के मुताबिक जब बहुत ज्यादा बर्फबारी होती है और बहुत ऊंचे इलाकों में पहाड़ी नदियां और झीलें

जमकर ग्लेशियर बन जाती हैं तो इनके टूटने या फटने का खतरा बढ़ जाता है। हिमालय के इलाकों में कई ऐसी झीलें हैं जहां ग्लेशियर फटने का खतरा हमेशा बना रहता है।

चमोली में हुई त्रासदी का सटीक कारण खोजने की अभी बहुत आवश्यकता है। यह आपदा इतनी भीषण थी कि ऋषि गंगा नदी में प्रलय आ गई और इसका बहाव इतना ताकतवर था कि 13 मेगा वाट पावर का एक हाइड्रो प्रोजेक्ट भी इसमें बह गया। इस सैलाब के रास्ते में जो भी आया बहता चला गया। ऋषि गंगा का दाहिना छोर और धौलीगंगा के बीच का संपर्क सभी से टूट गया, कई पुल बह गए, लोग गायब हैं, गांव का संपर्क टूट गया। तबाही कितनी हुई है अभी इसका सही आंकलन नहीं हो पाया है।

तपोवन टनल उत्तराखंड

ग्लेशियर अपने साथ कितने इंसान बहा ले गया, कितना नुकसान किया, कितनी बर्बादी हुई, इसका अंदाजा लगाना अभी बहुत मुश्किल है, लेकिन जो भयानक तस्वीर तबाही की दिखाई दे रही है, वो रोंगटे खड़े करने वाली है।

केदारनाथ धाम में साल 2013 में 13 से 17 जून के बीच भारी बारिश के बाद यहां का चौराबाड़ी ग्लेशियर पिघल गया था, जिसके कारण मंदाकिनी नदी ने विकराल रूप ले लिया था और पर्वतीय इलाकों से गुजरता नदी का पानी केदारनाथ धाम तक पहुंच गया था। बाढ़ के कारण सबसे अधिक नुकसान केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे स्थानों पर हुआ था।

उत्तराखंड के चमोली जिले में नंदा देवी का ग्लेशियर टूट कर जब ऋषि गंगा में गिरा तो नदी का जलस्तर बढ़ गया। यह नदी रैणी गांव में जाकर धौलीगंगा से मिलती है, इसी के बाद पूरी तबाही शुरू हुई। सबसे ज्यादा नुकसान ऋषि गंगा पावर प्रोजेक्ट और एनटीपीसी के तपोवन हाइड्रो प्रोजेक्ट को हुआ है। तपोवन बैराज के पास एक 60 मीटर लंबा भारत और चीन सीमा को जोड़ने वाला पुल था, इसे बीआरओ ने बनाया था और इस पुल के जरिए ही हमारी आर्मी चीन के बॉर्डर तक पहुंचती थी, वह पुल भी इस सैलाब में बह गया। जिस समय यह तबाही आई पावर प्रोजेक्ट में कई लोग पावर हाउस और सुरंग के आसपास काम में जुटे थे। सब कुछ इतनी तेजी से हुआ कि आसपास के लोगों की उन्हें चेतावनी देने की सभी कोशिशें नाकाम रहीं, जब तक वे संभल पाते उससे पहले ही वे नदी के प्रवाह में समा गए। ऋषि गंगा नदी के साथ आया हजारों टन मलबा आसपास के इलाके में फैल गया और कई मजदूर उसके अंदर दब गए, जिससे कुछ देर पहले का पूरा मंजर ही बदल गया।

उत्तरभारतीय समाज तय करेगा मुंबई का महापौर: कृपाशंकर

मुंबई। पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा है कि राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारतीयों को अपना वोट बैंक समझने की भूल न करें क्योंकि उत्तर प्रदेश के लोग उत्तर देना अच्छी तरह से जानते हैं।सिंह ने यह बात सामाजिक संस्था की तरफ से आयोजित उत्तरभारतीयों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा। सिंह ने एक लाख उत्तरभारतीयों से सम्पर्क करने के लिए सम्पर्क अभियान शुरु किया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री रमेश दुबे ने कहा कि इस बैठक के बाद कई तरह की टिका-टिप्पणी होंगी, परंतु उत्तर भारतीय समाज को छोटी सोच से ऊपर उठकर पुरानी पीढ़ी से प्रेरणा लेकर अब नए ढंग से संगठित होकर अपनी ताकत का एहसास कराना चाहिए और आपस में भाई-चारे के संबंध को मजबूत करना चाहिए। परिश्रमःद वाइस ऑफ हार्ड वर्कर्स अभियान की पहली बैठक शनिवार को अंधेरी (पूर्व) स्थित जे.बी. नगर में हुई। जिसमें कृपाशंकर सिंह सहित उत्तर भारतीय समाज के सभी वरिष्ठ नेताओं ने एक सुर में कहा कि उत्तर भारतीय समाज को सिर्फ वोट बैंक न समझा जाए। मुंबई की 227 में से 105 सीटों में उत्तर भारतीय समाज निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। लिहाजा मुंबई का अगला महापौर उत्तर भारतीय समाज ही तय करेगा। बैठक में पूर्व मंत्री रमेश दुबे, चंद्रकांत त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्र, मधुकांत शुक्ल, डॉ. वागीश सारस्वत, रामबक्श सिंह, अखिलेश चौबे, एडवोकेट जयप्रकाश विश्वकर्मा, अखिलेश सिंह, लक्ष्मी नारायण चौरसिया, दीपक यादव, बी.के. तिवारी, चित्रसेन सिंह, कृपाशंकर पांडे, एडवोकेट गिरी, मनोज सिंह सहित उत्तर भारतीय समाज के कई वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

15 फरवरी से शुरू होगा टीकाकरण का दूसरा चरण

मुंबई। राज्य सरकार स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड-19 टीके की दूसरी खुराक 15 फरवरी से देना शुरू करेगी।

स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार, ऐसे स्वास्थ्यकर्मी जो टीके की पहली खुराक ले चुके हैं और उन्हें इंजेक्शन लगे हुए चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं, वे दूसरी खुराक के पात्र हैं।

राज्य में शुक्रवार तक कुल 6,48,573 स्वास्थ्यकर्मियों और कोरोना योद्धाओं को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी थी। देश भर में कोविड-19 टीकाकरण अभियान 16 जनवरी से शुरू हुआ है।

इलाज के लिए उत्तरभारतीयों को मुंबई में मिलेगा आशियाना

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी में स्थित देश के सबसे बड़े कैंसर अस्पताल में इलाज कराने हर साल करीब 40 हजार लोग दूसरे राज्यों से मुंबई आते हैं। इनमें बड़ी संख्या उत्तरभारत के लोगों की होती है। मरीज किसी तरह अस्पताल में भर्ती हो जाते हैं पर उनके परिजनों को सड़क पर दिन बिताने पड़ते हैं। कैंसर मरीजों व उनके परिजनों को आशियाना देने के लिए उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष व विधायक आरएन सिंह की पहल पर उत्तरभारतीय संघ भवन में 6 हजार 800 वर्गफिट में अतिथि शाला तैयार की गई है। उत्तर भारतीय संघ के विशेष ट्रस्टी संतोष सिंह ने शनिवार को संघ भवन में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 50 बेड का डोरमेट्री और 5 एसी रूम तैयार किया गया है। इसके लिए तीन करोड़ 70 लाख रुपए खर्च हुए हैं। इस डोरमेट्री को 'नो प्रोफिट, नो लॉस' यानी 'न नफा, न नुकसान'के आधार पर चलाया जाएगा। इससे उत्तर भारत से आने वाले कैंसर मरीजों और उनके परिजनों को भारी राहत मिलेगी।सिंह ने बताया कि आगामी मई में देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में इसका उद्घाटन होगा।

पूरा हुआ सपनाः आरएन सिंह इस संदर्भ में उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष व भाजपा विधायक आरएन सिंह ने कहा कि मेरा वर्षों का यह सपना पूरा हो गया। इलाज कराने ग्रामीण क्षेत्रों से आने वालों के परिजनों को सड़क पर रात बिताते देख कर दुख होता है। मैं इनके लिए कुछ करना चाहता था। संघ के महामंत्री नंदलाल उपाध्याय ने बताया कि डोरमेट्री में फिलहाल 50 बिस्तर है। हर व्यक्ति के समान रखने के लिए कपाट की व्यवस्था है। उपाध्याय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि उत्तर भारत से आने वाले कैंसर और अन्य तरह के मरीजों को राहत मिले। 5 एसी रूम भी बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत से आने वाला कोई भी मरीज यहां स्थान पा सकता है। यह गेस्ट हाऊस'पहले आओ, पहले पाओ'पद्धति पर चलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम न के बराबर फीस लें। गौरतलब है कि टाटा कैंसर अस्पताल और मुंबई के दूसरे अस्पतालों में उत्तर भारत से इलाज के लिए बड़े पैमाने पर लोग आते हैं। आर्थिक तंगी के चलते लोगों को महानगर में ठहरने के लिए भारी परेशानी से गुजरना पड़ता है।

राख पोल्यूशन के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, महिलाओ ने लगाया जाम

परली तालुका के नागरिक अब राख से होने वाले पोल्यूशन को रोकने के लिए आक्रामक होते दिख रहे हैं क्योंकि उन्होंने बार-बार बयान देने के बाद भी प्रशासन की और से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। परली शहर और तालुका के नागरिकों को थर्मल पावर प्लांट के नियमों का उल्लंघन कर राख परिवहन और ईंट भट्ठा प्रदूषण के कारण भारी परेशानी हो रही है। प्रदूषण के कारण श्वास संबंधी बीमारियां बढ़ रही है। प्रशासन को जगाने के लिए दादाहारी वडगांव की सैकड़ों महिलाओं और ग्रामीणों ने परली-गंगाखेड़ मार्ग पर डेढ़ घंटे की सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस समय परिवहन व्यवस्था बाधित रहा वाहनों की कतारें लग गई। मौके पर नम्रता चाटे उप-विभागीय अधिकारी और मोहन आव्हाड मुख्य अभियंता थर्मल पावर स्टेशन, बीएल रूपनेर, उप तहसीलदार ने प्रदर्शनकारियों के साथ चर्चा की।

मुंबई को भिखारी मुक्त बनाने शुरु हुआ अभियान

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की सड़कें अब भिखारी मुक्त नजर आएगी। मुंबई पुलिस की ओर से भिखारियों को सड़कों से हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सड़कों पर भीख मांगने वाले भिखारियों को पकड़ कर उन्हें उनके लिए बनाए गए केन्द्र में रखा जाएगा। लेकिन इससे पहले भिखारियों की कोरोना जांच की जाएगी।

मुंबई पुलिस की इस मुहिम के बारे में संयुक्त पुलिस आयुक्त विश्वास नागरे पाटिल ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि भीख मांगने के लिए बच्चों का इस्तेमाल किया जाता है।

जिससे लोगों में सहानुभूति पैदा होती है और लोग पैसा देते हैं। पैसे के लालच में बच्चों को अनावश्यक पीड़ा पहुचाई जाती है। भीख मांगने के लिए बच्चों की चोरी तक कि जाती है। इसके अलावा मुंबई में दिन प्रतिदिन भिखारियों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए इस मुहिम की शुरुआत फरवरी माह से की गई है।

उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत पहली कार्रवाई आजाद मैदान पुलिस स्टेशन ने की है। इस कार्रवाई के अंतर्गत 14 भिखारियों को पकड़ा गया है। इन सभी लोगों की कोरोना जांच के बाद इन्हें चेम्बूर स्थिति भिखारी स्वीकार केंद्र में रखा जाएगा।

कुछ लोगों ने भीख मांगने को अपना व्यवसाय बना लिया है। वैसे कानूनी रुप से भीख मांगना अपराध है।

इसलिए अब पुलिस ने मुंबई को भिखारी मुक्त बनाने के लिए कड़ी कड़ी तैयार की है।

किसान रेल से 38 दिनों में 19,318 टन प्याज का यातायात

नांदेड़। नांदेड़ रेलवे विभाग को 11 फरवरी को बड़ी सफलता मिली। 5 जनवरी 2021 से शुरू किसान रेल अपने चरम पर पहुंच गया है। केवल 38 दिनों में 50 किसान रेल ने नागरसोल से देश के विभिन्न हिस्सों में 19,318 टन प्याज की यातायात किया। नांदेड़ रेलवे विभाग ने इससे 9.29 करोड़ रुपए कमाए। किसान रेल द्वारा परिवहन के कारण माल भाड़े पर 50% की छूट। कई किसान इससे लाभान्वित हुए। प्रासंगिक अधिकारी नांदेड़ रेलवे डिवीजन में किसान रेल को अन्य स्थानों से शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक उपिंदर सिंह ने किसानों व व्यापारियों से 50% छूट का लाभ उठाने की अपील की है।

भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र के विपणन के लिए परेशानी मुक्त, सुरक्षित और तेज परिवहन सेवाएं प्रदान करके कृषि क्षेत्र की आय बढ़ाने के लिए किसान रेल चलाने की अवधारणा पेश की है। इन किसानों की गाड़ियों को पूरे देश में न्यू गुवाहाटी, न्यू जलपाईगुड़ी, चितपुर, मालदा, अगरतला, फतुहा आदि स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 50 किसान रेलवे द्वारा देश के विभिन्न भागों में 19,318 टन प्याज वितरित किए जा चुके हैं। नांदेड़ रेलवे विभाग को इससे 9.29 करोड़ रुपए (9 करोड़, 29 लाख रुपए) का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस साल मार्च के अंत तक नांदेड़ डिवीजन से 50 अन्य किसान विशेष गाड़ियों को जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। किसान रेलवे की विशेषता यह है कि ये ट्रेनें तय समय पर चलती हैं।

लगभग 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से, ताकि कृषि सामान समय पर पहुंचे। किसानों का अच्छा बाजार है। किसानों को प्रोत्साहित करने, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने "ऑपरेशन ग्रीन्स-टॉप टू टोटल' के तहत किसान रेल द्वारा अधिसूचित फलों और सब्जियों के परिवहन पर 50% रियायत की घोषणा की है। उस संबंध में नांदेड़ डिवीजन से चलने वाले सभी किसान रेल को 50% रियायत दी गई है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक गजानन माल्या ने नांदेड़ डिवीजन के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा नागरसोल स्टेशन से किसान रेल को सफलतापूर्वक शुरू करने के प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। माल्या ने किसानों और व्यापारियों से अपील की कि वे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय और रेल मंत्रालय के लिए रेलवे द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेष सुविधाओं का लाभ उठाकर अपना व्यवसाय बढ़ाएं। नांदेड़ डिवीजन से माल ढुलाई बढ़ाने में भी मदद करें।

युवक की हिरासत में मृत्यु मामले में 15 वर्ष बाद दाखिल हुई चार्जशीट

साकोली (भंडारा)। लगभग 15 वर्ष पूर्व साकोली पुलिस की हिरासत में हुई युवक की मृत्यु मामले की जांच के लिए भंडारा पहुंची सीबीआई की टीम ने दो पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आरोपपत्र दाखिल किया है।

गौरतलब है कि, 15 दिसंबर 2005 को साकोली के गणेश वार्ड निवासी प्रशांत हुमने अपनी प्रेमिका को लेकर भाग गया था। तीन दिन बाद 18 दिसंबर 2005 को दोनों ने साकोली थाने में समर्पण कर दिया था। पुलिस ने उस समय प्रशांत को हिरासत में रखा लेकिन उसी रात उसकी संदिग्ध स्थिति में मृत्यु हो गई। प्रशांत के परिजनों ने पुलिस के साथ और कुछ लोगों पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी दम घुटने के कारण प्रशांत की मौत होने की बात स्पष्ट हो गई थी। उच्च न्यायालय के आदेश पर गत एक वर्ष से चल रही मामले की जांच में आरोपियों की संख्या बढने की आशंका जतायी जा रही है।

गांजा तस्करी का अंतरराष्ट्रीय गिरोह पकड़ाया, 3.50 करोड़ का माल बरामद

मुंबई। एंटी नारकोटिक्स सेल (एनसी) ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक अंतर्राज्यीय बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 1800 किलो ग्राम गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत साढ़े तीन करोड़ रुपए बताई जा रही है। एनसी ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह का सूत्रधार अभी भी पहुंच से दूर है। जिन आरोपियों को इस मामले में पकड़ा गया है उनके नाम आकाश यादव व दिनेश कुमार बताया गए हैं। घाटकोपर की एएनसी यूनिट को इस बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद एएनसी की इंस्पेक्टर लता सुतार की टीम ने कार्रवाई करते हुए विक्रोली के पास एक ट्रक पकड़ा। जिसमें 1800 किलो गाजा मिला है। शुरुआती जांच में पता चला है कि ट्रक भिवंडी जा रहा था। इस बारे में संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) मिलिंद भारंभे ने कहा कि इस मामले में से जुड़ा गिरोह काफी संगठित दिख रहा है। गिरोह ने तस्करी के लिए अनोखा तरीका अपनाया था। जिसके तहत मादक पदार्थ नारियल के बोरियों के बीच में छुपाया गया था। गिरोह के लोग हर माह 4000 किलो ग्राम गाजा मुंबई ल रहे थे। यह गाजा उड़ीसा से लाया गया था। कार्रवाई के दौरान जो गाजा पकड़ा गया है उसे हैदराबाद, सोलापुर व पुणे के रास्ते से मुंबई लाया गया है। अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि गिरोह से जुड़े लोगों का संबंध नक्सलियों से है या नहीं। गाजे की खेप मुंबई के अलावा सोलापुर व पुणे में भी पहुचाई जाती थी। उड़ीसा के लक्ष्मी प्रधान नाम के शख़्स को इस गिरोह का मास्टर माइंड माना जा रहा है। पुलिस फिलहाल इस गिरोह के मास्टरमाइंड व मादक पदार्थ के वितरण के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

शराबी पुत्र से तंग पिता ने चाकू गोदकर कर दी हत्या

जलगांव। शहर में पिता-पुत्र के रिश्ते को कलंकित करने जैसी घटना हुई है। इसमें एक पिता ने अपने बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी है। सौरभ सुभाष वर्मा उम्र 26 निवासी बालाजीपेठ मृतक का नाम है। आरोपी पिता सुभाष वर्मा ने स्वयं पुलिस थाने में हाजिर होकर अपना अपराध कबूल किया है। इस संदर्भ में देरशाम तक केस दर्ज करने का काम शुरू था। जानकारी के अनुसार सौरभ सुभाष वर्मा बालाजीपीठ में अपने दो भाइयों और माता-पिता के साथ रहता था। सौरभ वर्मा शराब का आदी था, वह रोज शराब पीकर घर में झगड़ा करता था।

12 फरवरी को रात करीब 10 बजे सौरभ घर पर नशे में आया। इसके बाद, पिता सुभाष बंशीलाल वर्मा का सौरभ के साथ जोदार झगड़ा हुआ। इस दौरान सौरभ हाथ में चाकू लेकर अपने पिता को धमका रहा था, उसके पिता ने सौरभ के हाथ से चाकू छीन लिया और उसे धमकाया। इसके बाद जैसे ही सौरभ अपने पिता की ओर दौड़ा, उसके पिता के हाथ का चाकू सीधे सौरभ के पेट में जा घुसा।

देशी बनावट पिस्तौल से सीने पर गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या

नाशिक। सातपुर कॉलोनी निवासी एक युवक ने अपने सीने पर देशी बनावट पिस्तौल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सातपुर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दी जानकारी के अनुसार आत्महत्या करने वाले युवक का नाम रोहित राजेंद्र नागरे (28, रा. शिवनेरी चौक, सातपुर कॉलोनी, सातपुर) है, जो बीती रात 12 बजे घर से किसी को कुछ कहे बिना पल्सर (क्र.एम.एच.-15/एफ.जे.-4687) लेकर निकल गया। शनिवार अलसुबह 4 बजे के आस पास सातपुर औद्योगिक वसाहत और भवर मला से जाने वाले नाला के पास एक पेड़ के नीचे देशी बनावट पिस्तौल से अपने सीने पर गोली मारकर आत्महत्या की। पुलिस ने घटना स्थल से देशी बनावट की पिस्तौल और बाइक जब्त की। पिस्तौल में एक ही गोली थी। रोहित का कोई भी क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस ने फोन कॉल्स सहित अन्य जानकारी के लिए रोहित का मोबाइल कब्जे में लिया। वाट्स एप स्टेटस देखने के बाद पता चला की सभी स्टेटस प्रेमभंग या प्रेम प्रकरण को लेकर आत्महत्या करने का प्राथमिक अंदाज पुलिस ने व्यक्त किया। सातपुर पुलिस ने अकस्मित मौत का मामला दर्ज किया। रोहित ने आत्महत्या की या फिर आत्महत्या दर्शाकर कर उसकी हत्या की गई? रोहित के पास देशी बनावट की पिस्तौल कहां से आई? यह सवाल खड़े हो गए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त अशोक नखाते, सातपुर पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर मोरे, गंगापुर पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अंचल मुदगल आदि घटना स्थल पहुंचकर जायजा लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के नाम फर्जी फेसबुक खाता बनाकर ठगी की कोशिश

मुंबई। राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विनय कुमार चौबे के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है। श्री चौबे ने इस सिलसिले में सिटी साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरु कर दी है। साइबर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक साइबर ठग ने पैसे वसूली के इरादे से यह फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया है। इसमें ठग ने श्री चौबे की वही फोटो लगाई है। जो उनके असली फेसबुक अकाउंट में लगी है। ठग ने फर्जी अकाउंट के मध्यम से उन सभी लोगों को रिकवेस्ट भेजी है जो श्री चौबे के मित्रों की सूची में है। रिकवेस्ट को जिन लोगों ने स्वीकार किया है ऐसे सभी लोगों से ठग ने पैसे मांगे।

घर में कस्तूरी मेथी बनाने का आसान तरीका, जानें सभी सब्जियों और कढ़ी में क्यों करना चाहिए इस्तेमाल

अक्सर ऐसा होता है कि खाने बनाते समय जिन चीजों का इस्तेमाल स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, उनके गुणों के बारे में जानकारी नहीं होती। जैसे जीरा, धनिया, हींग, कस्तूरी मेथी का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इन छोटी-छोटी चीजों के गुण बड़े होते हैं। साथ ही इनका रोजाना सेवन करने से इम्युनिटी पावर भी मजबूत होती है। मेथी के पत्तों को

सुखाकर कसूरी मेथी बनाई जाती है। सभी सब्जियों और कढ़ी में आधे से एक चम्मच इसका जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। आज हम आपको कस्तूरी मेथी के फायदे और इसे बनाने का तरीका बता रहे हैं-

कसूरी मेथी का पाउडर दो तरीके से बनाया जा सकता है।इसके लिए सबसे पहले 200 ग्राम मेथी की पत्तियों के डंठल निकाल कर रख लें। इसके अलावा आप एक कागज या फिर सूती कपड़े पर मेथी की पत्तियों को फैला कर रख लें। इन पत्तियों को दो से तीन दिन तक तेज धूप में सूखने के लिए रख दें।जब यह सूख जाए तो इसे पीसकर इसका पाउडर बना लें। मेथी को सुखाने के लिए आप माइक्रोवेव का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको मेथी की पत्तियों को पांच मिनट के लिए माइक्रोवेव करना है।इस बीच मेथी को बीच में चम्मच से चलाएं और दो मिनट के लिए दोबारा माइक्रोवेव ऑन कर दें।

इसके बाद माइक्रोवेव को बंद कर दें और मेथी को दस मिनट तक अंदर ही रहने दें।थोड़ी देर बाद आप पाएंगे कि मेथी की पत्तियां बिल्कुल सूख चुकी हैं। आप इन्हें हाथों से मसलकर इसका पाउडर बनाकर किसी टाइट कंटेनर में रख लें। पीरियड्स से लेकर मेनोपॉज तक, महिला के शरीर को कई बदलावों का सामना करना पड़ता है। चूंकि, इनमें से अधिकांश पेट से संबंधित हैं, इसलिए यह पाचन स्वास्थ्य को गड़बड़ा देता है। अपने भोजन में मेथी के सूखे पत्तों को शामिल करना एक अच्छा विकल्प है। कब्ज से राहत पाने के लिए कसूरी मेथी को पांच मिनट के लिए उबाल लें। इसे बिना छाने ठंडा होने दें और फिर थोड़ा शहद मिला दें। कब्ज से छुटकारा पाना है तो मिश्रण का सेवन दिन में दो बार करें। जिन लोगों के पेट में इंफेक्शन रहता है, उन्हें हर दिन कसूरी मेथी का सेवन करना

सोनल झालावाड़िया

चाहिए। इसके अलावा, कसूरी मेथी का रोजाना सेवन करने से दिल, गैस्ट्रिक और आंतों की समस्या नहीं होती है। अगर पेट की समस्या है, तो पत्तियों को सुखाकर पीस लें और इसमें कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं। इसके बाद इसे उबले पानी के साथ लें।

भारत में हर 4 में से 3 महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। ऐसी स्थिति में महिलाओं के लिए मेथी

कम खाने से ज्यादा बीमार पड़ रहे बच्चे-बुजुर्ग, अध्ययन में खुलासा

इंग्लैंड में एनोरेक्सिया और बुलीमिया (भोजन संबंधी विकार) का अनुभव करने वाले लोगों की संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है। देश के मनोचिकित्सकों ने इस संबंध में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बाद इंग्लैंड में भोजन संबंधी विकारों की सुनामी आने वाली है।

रॉयल कॉलेज ऑफ साइकियाटिस्ट्स में ईटिंग डिसऑर्डर फैकल्टी की अध्यक्ष डॉ. एग्नेस एयटन ने कहा कि भोजन संबंधी विकारों की समस्याओं का सामना करने वाले लोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि एनोरेक्सिया जैसे लक्षण लॉकडाउन में अलगाव की वजह से पनप है।

एयटन ने यह भी कहा कि ये मामले तो कुछ भी नहीं है, आने वाले दिनों इस बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। हाल में करीब 20 फीसदी लोग इस बीमारी की चपेट में आए हैं। उन्हें ऑक्सफोर्ड में भर्ती कराया गया था। एयटन ऑक्फोर्ड में काम करती हैं।

इस संबंध में ऑक्सफोर्ड ने

गुरुवार को अलग से डाटा जारी किया है। इसके अनुसार युवा और बच्चों में भोजन संबंधी विकार तेजी से पनप रहा है। आलम यह है इलाज के लिए उन्हें इंतजार करना पड़ रहा है। अस्पतालों में लोगों की भीड़ नजर आ रही है।

पिछले वर्ष की तुलना में अभी इंतजार करने वाले रोगियों की संख्या में 128 फीसदी की वृद्धि हुई है। अक्तूबर, नवंबर और दिसंबर, 2019 से तत्काल उपचार की प्रतीक्षा कर रहे बच्चों और युवाओं की संख्या में एक साल बाद इसी महीने की तुलना में चार गुना वृद्धि हुई है।

मनोचिकित्सक डॉ. लोर्ना रिचर्ड्स जो प्रियोरी समूह में वयस्क खाने की विशेषज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के विकारों को कई कारकों में बढ़ाया है।

इसमें डर, भय और अनिश्चितता, ईंधन की चिंता के लक्षण, दिनचर्या और गृह जीवन में परिवर्तन शामिल है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में शारीरिक गतिविधियों में कमी आ गई। इस वजह से व्यायाम करने में कमी या अधिकता देखी गई है।

रिचर्ड्स प्रीरीज अस्पताल और

संजय शर्मा

प्रीरीजलाइफ वर्क्स सेंटर वयस्क खाने के विकारों में माहिर हैं। महामारी के इस कठिन समय में दोनों अस्पताल लोगों की मदद कर रहे हैं।

इसके साथ ही एनएचएस भी इस संबंध में दिशानिर्देश जारी कर रहा है। अस्पताल ने कहा कि 2020 की गर्मियों की शुरुआत से मैंने मौजूदा विकारों वाले लोगों के रेफरल में भारी वृद्धि देखी है, जो महामारी के बाद से खराब हो गए हैं।

समूह में गाने से बुजुर्गों की याददाश्त में होगा सुधार, शोध में खुलासा

जीवनशैली, आहार और शारीरिक व्यायाम सहित तमाम चीजें उम्र में इजाफे को प्रभावित करती हैं। मगर हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बुजुर्गावस्था में संगीत के शौक के संज्ञानात्मक लाभों पर ध्यान केंद्रित किया है।

हालांकि इस तरह के शोध में मुख्य रूप से संगीत वाद्ययंत्र से जुड़े शौक पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वैसे भी वाद्य बजाने के संज्ञानात्मक लाभ पहले से ही जाने जाते हैं। इस तरह की गतिविधिसंज्ञानात्मक लचीलेपन में सुधार कर सकती है और इनमें विभिन्न विचार प्रक्रियाओं के बीच ध्यान को विनियमित करने की क्षमता होती है। हालांकि गायन के संज्ञानात्मक लाभों की अब तक बहुत कम जांच की गई है। वाद्य यंत्र बजाने जैसे लाभः

प्लस जर्नल में प्रकाशित हालिया अध्ययन में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि समूह में गायन का लुत्फ लेने वालों में एक वाद्य बजाने के समान लाभ मिल सकते हैं। अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि समूह में गाना गाने और गायकी करने वाले बुजुर्गों की याददाश्त उन लोगों की तुलना में काफी लचीलापन था, जिनमें गायन का शौक नहीं था।

आत्मघाती विचारों को कम करने में मददगार केटामाइन, शोध में खुलासा

आत्महत्या सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। बदलती जीवनशैली में विपरीत हालातों में आत्महत्या के विचार मन में आने लगते हैं। हाल के वर्षों में अमेरिका में आत्महत्या की दर भयानक तौर पर बढ़ी है। दुख की बात है यह एक ऐसी घटना है बच्चों के बीच भी बढ़ रही हैं।

हालांकि इस निराशाजनक स्थिति में आशा की एक किरण सामने आई है और वह है केटामाइन। केटामाइन दरअसल 1950 के दशक में खोजी गई एक एनेस्थेटिक दवा है। इसे कई लोगों द्वारा घोड़े के ट्रैंक्विलाइजर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। मगर हालिया शोध इस शक्तिशाली रसायन के बारे में एक नई कहानी पेश करता है। नया अध्ययन दर्शाता है कि केटामाइन की मौखिक खुराक पुराने आत्मघाती विचारों वाले रोगियों में नाटकीय रूप से आत्महतया की प्रवृत्ति को कम कर सकती है। प्रयोगों की एक हालिया श्रृंखला में नवीनतम खोज हमें दवा का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर करती है। हाल के वर्षों में केटामाइन की प्रतिष्ठा में एक प्रकार का बदलाव आया है। इस मामले में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना करने वाले लोगों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की नई वैज्ञानिक खोज के लिए शुक्रिया कहा जा सकता है।

अवसाद के इलाज में सक्षमः

हालिया अनुसंधान से पता चला है कि केटामाइन अन्य स्थितियों के साथ ही गंभीर अवसाद के इलाज में भी सक्षम है। हालांकि ड्रग्स के प्रभावों के पीछे के रहस्यमय तंत्र अभी भी खोजे जा रहे हैं। एफडीए ने 2019 में अवसाद के लिए केटामाइन-आधारित नेजल स्प्रे को मंजूरी दी थी। इसके अलावा शोधकर्ताओं ने इस रासायन को लोगों में आत्महत्या की प्रवृति को कम करने में भी कारगर पाया है। यह कुछ पारंपरिक एंटीडिप्रेसेंट है। हालांकि कारगर होने के मामले में यह इसे काम करने में कुछ सप्ताह लग सकते हैं या यह विफल भी हो सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके बावजूद आत्महत्या के विचारों को कम करने के लिए केटामाइन कितना प्रभावी है, इस बारे में अभी भी हम नहीं जानते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह रसायन मौजूदा विकल्पों का एक दूसरा सरल और सस्ता तरीका है।

आसानी से दी जा सकती हैः

ऑस्ट्रेलिया में यूनिवर्सिटी ऑफ द सनशाइन कोस्ट (यूएससी) के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन के आधार पर लिखा कि मौखिक रूप में केटामाइन को आसानी से दिया जा सकता है और संभावित रूप से नियमित आधार पर दी जा सकती है।

चाऊमीन खाने के पांच नुकसान और एक फायदा

ज्यादातर लोगों को चाऊमीन बेहद पसंद होती है। वे जब भी बाहर खाना खाने के लिए जाते हैं उनकी ऑर्डर लिस्ट में चाऊमीन या हक्का नूडल्स जरूर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाऊमीन खाने के फायदे नाम भर के और घाटे बहुत ज्यादा हैं। आइए, जानते लेते हैं चाऊमीन खाने के नुकसान- -चाऊमीन में स्वाद के लिए खतरनाक एसिड का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के फास्ट फूड बनाने में अजीनोमोटो का अधिक इस्तेमाल के अलावा अन्य खतरनाक रसायनों का प्रयोग किया जाता है। चाऊमीन में मोनो सोडियम ग्लूकोनाइट और अजीनोमोटो एक सोडियम सॉल्ट है, जो स्वाद ग्रंथियों को नुकसान पहुंचाती है। ये आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक होते हैं। -चाऊमीन के साथ मिलाकर खाई जाने

वाली सॉस कई बार एक्सपायर हो चुकी होती है या बेहद घटिया किस्म की होती है। इस तरह की सॉस खाने से कब्ज होती है। इससे आपको लंबे समय पर गंभीर बीमारियों से जूझना पड़ सकता है। -चाऊमीन मैदे की बनी होती है इसलिए आंतों में चिपकती है और कब्ज पैदा करती है। इससे आपका पेट पूरी तरह साफ नहीं होता। मैदे के टुकड़े शरीर के अपेंडिक्स पर असर डालकर इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं।

-चाऊमीन में कई कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाता है। गली-नुक्कड़ की दुकानों पर बनने वाली चाऊमीन में साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता। इसमें प्रयोग की जाने वाली सब्जियां कई बार साफ की हुई नहीं होती हैं और कई तरह के कीटाणु इसमें हो सकते हैं। ऐसे में ये और भी खतरनाक हो सकता है। -अगर आप हफ्ते में चार से पांच बार चाऊमीन खाते हैं, तो इसका सेवन आपकी पाचन क्षमता कमजोर कर सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए यह सप्ताह धन के मामले में अच्छा रहेगा। अपनी चतुराई के बल पर अच्छा धन अर्जित करने में कामयाब होंगे। परिवार के साथ सामंजस्य कायम होगा। निवेश से लाभ प्राप्त होगा, लेकिन ध्यान रहे इस सप्ताह के दौरान कोई नया निवेश करने से बचें। आय के नए स्रोत तलाशने का प्रयास करें।

वृषभ : इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य को प्रायोरिटी पर रखें। लापरवाही भारी पड़ सकती है। इस सप्ताह बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन, साहित्य या किसी रचनात्मक कार्य से जुड़े लोगों को कोई बेहतर अवसर मिल सकता है। व्यापारियों को लाभ के अवसर मिलेंगे। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए इनोवेटिव तरीके सोचना होंगे।

मिथुन : सप्ताह खर्चीला होगा। व्यर्थ के कार्यों पर समय और धन खर्च होगा। व्यापारी बंधुओं को अपने कार्य पर फोकस करते हुए आगे बढ़ना है। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। पैसों की बचत करने का प्रयास करें ताकिभविष्य में यह आपके काम आ सके। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां सामने आ सकती है।

कर्क : सप्ताह में काम अटकेंगे। व्यापारियों को कार्य विस्तार का प्लान बनाने की जरूरत है और नौकरीपेशा लोगों को आर्थिक लाभ होने की संभावना अभी क्षीण है। विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह ठहराव वाला है। मानसिक रूप से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। किसी काम के पूरा नहीं होने से मन अशांत रहेगा। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है।

सिंह : पारिवारिक मेलजोल होगा। साथ ही खर्च भी होगा। विद्यार्थी वर्ग को फोकस अपने कॅरियर पर रखना होगा। नौकरीपेशा के वर्तमान कार्य में बदलाव आने की संभावना है। नौकरीपेशा कार्यभार की अधिकता के कारण शारीरिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। परिवार में संबंध अच्छे रहेंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

कन्या : सप्ताह आपके लिए भाग्योदयकारक है। आप जो भी कार्य कर रहे हैं उसमें तरक्की मिलने की संभावना है। परिवार में सामंजस्य रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। खर्च में कमी आएगी। इस सप्ताह कोई बहुत पुराना अटका हुआ काम हो जाने से मन में प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरशिप में कोई काम करने की रूपरेखा बनेगी।

तुला : तुला राशि को इस सप्ताह किसी दुर्घटना आदि की आशंका है। आर्थिक मामलों में सजग रहने की जरूरत है। व्यापार व्यवसाय में अप-डाउन होगा। नौकरीपेशा लोगों पर भी नौकरी का संकट आ सकता है। पैसों की कमी महसूस होगी और बीमारियों पर खर्च होने की आशंका है। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक : इस सप्ताह वैवाहिक, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। यदि पार्टनरशिप में आपका कोई बिजनेस चल रहा है तो उसमें आप अधिक सफलता अर्जित करेंगे। शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं। चेस्ट संबंधी रोग, हृदय रोग, डायबिटीज के रोगी विशेष सावधानी रखें। अनावश्यक भागदौड़ वाले काम इस सप्ताह ना करें।

धनु : आपके लिए कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ने वाली है। चाहे आप बिजनेस कर रहे हैं या नौकरी, हर तरह का संकट आप पर बना हुआ है। मानसिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। ऐसे में स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा है। इस सप्ताह पैसों को अनावश्यक खर्च करने से बचें। नए कार्य-व्यवसाय, नौकरी की कार्ययोजना बनेगी।

मकर : यह सप्ताह आपको मानसिक परेशानियों के साथ अनेक प्रकार की परेशानियां भी दे सकता है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए वक्त चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इन्हीं चुनौतियों से निकलने का रास्ता आपके नवाचार में छुपा है। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ और कार्य की अधिकता रहेगी।

कुंभ : कुंभ राशि के लिए सप्ताह चुनौतीपूर्ण है। आपको भौतिक सुख सुविधाएं तो प्राप्त होंगी, लेकिन भविष्य में इन्हें बरकरार रखने और इनमें वृद्धि करने के लिए मेहनत करना होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई मानसिक रोग परेशान कर सकता है।

मीन : यह सप्ताह पारिवारिक मेलजोल वाला रहेगा। भाई-बहन, रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। इस सप्ताह अपने भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे और आपके द्वारा लिए गए निर्णय भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। बिजनेस में विस्तार फिलहाल नहीं हो पाएगा। नौकरीपेशा संकटपूर्ण स्थिति में हैं।

बंटीः तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो?
रॉनीः एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था।

राजूः शादीशुदा लड़की और शादीशुदा लड़के में क्या अंतर है?
पप्पूः मंगलसूत्र लटका हो तो लड़की शादीशुदा, मुंह लटका हो तो लड़का शादीशुदा।

नौकरः शरबत बनाने के लिए नींबू नहीं है, क्या करूं?
मैडमः अरे क्या दिक्कत है, न्यू विम बार में 100 नींबुओं की शक्ति है, डाल दे दो बूंद।

सीएम नीतीश की महत्वाकांक्षी नल जल योजना जलापूर्ति में आ रही कोई शिकायत तो डायल करें ये नंबर

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी हर घर नल जल योजना के तहत जलापूर्ति की समस्या अब एक कॉल पर दूर होगी। पाइप लीकेज, जलापूर्ति में बाधा, जल गुणवत्ता और निर्माणाधीन योजनाओं में कार्य गुणवत्ता की समस्या समाधान के लिए एक टॉल फ्री न. 18001231121 जारी किया गया है।

उपभोक्ता इसपर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। शिकायत पर एसएमएस द्वारा शिकायत संख्या मिलेगी और शिकायत निवारण के बाद एसएमएस द्वारा उसकी जानकारी दी जाएगी। विभाग ने योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने व निर्बाध जलापूर्ति के लिए केंद्रीयकृत कॉल सेंटर स्थापित किया है। यह सेंटर सभी कार्यदिवस पर काम करेगा। पटना पूर्वी और पश्चिमी के अधिकांश वार्डों में जलापूर्ति योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। कुछ में निर्माण कार्य चल रहे हैं।

पटना पश्चिमी के 90 वार्डों में काम चल रहा है। इसमें मनेर प्रखंड के ही 70 वार्ड हैं। मार्च तक यहां के सभी वार्डों में काम पूरा होने का लक्ष्य है। पटना पश्चिमी के 546 में 456 वार्डों में नल जल का काम पूरा हो चुका है। पीएचईडी पश्चिमी के कार्यपालक अभियंता करूणेश कुमार नारायण ने बताया कि 90 वार्डों में 40 वार्ड का काम जनवरी में पूरा हो गया। अन्य वार्डों में काम प्रगति पर है और मार्च तक सभी वार्डों में काम समाप्त हो जाएगा।

बिजली बिल भर पाने से परेशान होकर किसान ने किया सुसाइड, बाद में बेटी ने भी पीया कीटनाशक

एक तरफ दिल्ली के बॉर्डर पर किसान कृषि कानूनों के विरोध में बैठे हैं तो दूसरे ओर आज भी किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। बिहार के रोहतास जिले से ऐसा ही आत्महत्या का एक मामला सामने आया है। बिहार में बिजली का बिल के कारण एक किसान ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के रोहतास जिले के नौगैन गांव में अपने घर पर ही अपनी जान लेली।

बताया गा है कि इस घटना के बाद, किसान की 14 साल की बेटी ने भी कीटनाशक का सेवन करके अपनी जान लेनी की कोशिश की, लेकिन समय पर चिकित्सा सहायता मिलने के कारण उसे बचा लिया गया। 48 साल के मृतक किसान की छह बेटियां थीं, जिनमें से दो की शादी हो चुकी है।

किसान की पत्नी दरिगांव पुलिस स्टेशन में कहती हैं, "मेरे पति हमारी बाकी चार बेटियों की शादी के लिए पहले से ही चिंतित थे। बिजली के भारी बिल के कारण वह बहुत उदास थे और इसलिए शायह उन्होंने खुद की जान ले ली।"

वहीं स्टेशन हाउस अधिकारी (एसएचओ) उमेश कुमार ने कहा, किसान के पास पैतृक जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा था, जिस पर वह सब्जियों की खेती करता था और एक इलेक्ट्रिक पंप सेट का इस्तेमाल करता था।

बेतिया में आदमखोर बाघ का कहर, दंपति पर हमला कर मार डाला, एक सप्ताह में बनाए तीन शिकार

बिहार के बेतिया में आमदखोर बाघ की दहशत फैली हुई है। सहोदरा थाना क्षेत्र के सूरजपुर परसौनी गांव में शुक्रवार की रात बाघ ने दंपति पर हमला कर दोनों को मार डाला। बाघ के हमले में महिला रेखा देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई वहीं पति अकलू महतो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

रात में ही बाघ ने एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करते हुए उसे घायल कर दिया। घायल व्यक्ति का गौनाहा में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार दंपति खेत की रखवाली करने सरेह गए थे। इस दौरान मचान पर चढ़ने से पहले ही बाघ ने उन्हें अपना शिकार बना डाला। एक सप्ताह में अब तक बाघ ने तीन लोगों को को अपना शिकार बनाया है वहीं दो को घायल किया है।

ग्लेशियर फटने से यूपी के 64 लोग अब भी लापता, पांच की हो चुकी है मौत

उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में सात फरवरी को हुये हिमस्खलन की चपेट में आने से उत्तर प्रदेश के 64 लोग अभी भी लापता हैं जबकि पांच की मौत हो चुकी है। यूपी के राहत आयुक्त संजय गोयल ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा, उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में ग्लेशियर फटने से 13 फरवरी तक पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 64 लोग अभी भी लापता हैं, जबकि राज्य के 23 लोगों को बचा लिया गया है। मृतकों की पहचान लखीमपुर खीरी के अवधेश (19), अलीगढ़ के अजय शर्मा (32), लखीमपुर खीरी के सूरज (20), सहारनपुर निवासी विक्की कुमार और लखीमपुर खीरी के विमलेश (22) के रूप में हुई है।

बयान के मुताबिक, लापता हुए 64 लोगों में से 30 लखीमपुर खीरी के हैं। इसके बाद सहारनपुर के 10, श्रावस्ती के पांच , गोरखपुर के चार, रायबरेली और कुशीनगर के दो-दो और सोनभद्र, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, मिर्जापुर, मथुरा, गौतमबुद्ध नगर, देवरिया,चंदौली, बुलदंशहर, आजमगढ़ और अमरोहा के एक-एक व्यक्ति शामिल हैं।

आगरा में ताजमहल के पास हाई सिक्योरिटी जोन में कैसे चलता था वेश्यावृत्ति का धंधा?

देह व्यापार में होटल शुभ रिसोर्ट से गिरफ्तार भीमा और उज्बेकिस्तान की दोनों युवतियों सहित चार लोगों को पुलिस ने शुक्रवार को जेल भेज दिया। आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे में होटल मालिक व्यापारी नेता राकेश अग्रवाल, संचालक चिराग अग्रवाल और मैनेजर सुंदरम अग्रवाल भी नामजद हैं। तीनों फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

ताजमहल के पूर्वी गेट के निकट हाई सिक्योरिटी जोन में स्थित होटल शुभ रिसोर्ट में गुरुवार को छापा मारा गया था। मौके से देसी-विदेशी युवतियों के सप्लायर भीमा उर्फ सुरेंद्र सिंह सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया था। छानबीन के बाद पुलिस ने उज्बेकिस्तान की दो युवतियां, भीमा और उसके दोस्त योगेश यादव को लिखापढ़ी में अभियुक्त बनाया।

एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद ने बताया कि उद्धार अधिकारी मिन्दर सिंह को जानकारी मिली थी कि होटल शुभ रिसोर्ट में देह व्यापार का अड्डा चल रहा है। चर्चित भीमा ठेके पर देसी-विदेशी युवतियों को दिल्ली से लेकर आता है। उन्हें इसी होटल में रुकवाता है। व्हाट्स एप पर ग्राहकों को उनकी फोटो भेजता है। ग्राहक जिस युवती को पसंद करता है उसके दाम बताए जाते हैं। अय्याशी के लिए ग्राहक को होटल शुभ रिसोर्ट में बुलाया जाता है। उद्धार अधिकारी ने भीमा से फोन पर संपर्क किया। उससे विदेशी युवती की डिमांड की। उससे युवतियों की फोटो मांगी। व्हाट्स एप पर भीमा ने दो युवतियों की फोटो भेजी। उद्धार अधिकारी ने एक को पसंद किया। भीमा ने उसके साथ एक घंटा गुजारने के चार हजार रुपये मांगे।

उद्धार अधिकारी मिन्दर सिंह ग्राहक बनकर होटल में पहुंचे। सीओ सदर राजीव कुमार के नेतृत्व में एक टीम पहले से छापेमारी के लिए तैयार की गई थी। मिन्दर सिंह ने होटल पहुंचकर भीमा को चार हजार रुपये दिए। उसने युवती से मिलवा दिया। इसी दौरान टीम ने छापा मारा। पुलिस को देखते ही होटल में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग दीवार कूदकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के साथ कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया था। उनका इस गलीच धंधे से कोई लेना-देना नहीं था। इसलिए उन्हें मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

दोनों विदेशी युवतियां अवैध रूप से भारत में रह रही थीं। एक युवती के पास पासपोर्ट और वीजा नहीं मिला। वह पिछले छह साल से भारत में है। उसके पास एक आधार कार्ड मिला। जिस पर शीशमहल, लोनी रोड नई दिल्ली का पता लिखा है। आरोपित युवती ने बताया कि आधार कार्ड फर्जी है। उसने भारत में रुकने के लिए बनवाया था। दूसरी युवती के पास पासपोर्ट और वीजा दोनों मिले। उस युवती का वीजा दो फरवरी 2021 को खत्म हो गया है। वह भी बिना वीजा के भारत में रह रही थी। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों युवतियों की गिरफ्तारी और जेल भेजने की जानकारी उज्बेकिस्तान दूतावास को दी गई है। एक विदेशी युवती के पास से जो आधार कार्ड मिला वह फर्जी है। उस पर लिखे नाम और पते से युवती का कोई लेना-देना नहीं है। छल के लिए फर्जी दस्तावेज बनवाए गए थे। इसलिए पुलिस ने मुकदमे में धोखाधड़ी की धाराएं भी लगाई हैं। एसपी सिटी ने बताया कि भीमा के मोबाइल में दिल्ली के अलावा जयपुर, गोवा सहित कई जगहों के एजेंट के नंबर मिले हैं। उसने बताया कि दिल्ली, मुंबई, गोवा और कोलकाता। ये चारों देह व्यापार के गढ़ हैं। इन जगह से युवतियां दूसरे जिलों में ऑन डिमांड जाती हैं। पुलिस को भीमा के मोबाइल में बड़ी संख्या में आगरा के उन लोगों के नाम और नंबर मिले हैं जो उससे युवतियां लेते थे। एसपी सिटी ने बताया कि मोबाइल में बड़ी संख्या में होटल वालों के नंबर भी हैं। भीमा की व्हाट्स एप चैट खंगाली जा रही है।

यह देखा जा रहा है कि वह किससे क्या बात किया करता था।

सगे मासूम भतीजे की हत्या कर आरोपी चाचा-चाची ने आटे के डिब्बे में छिपाया शव

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में अंधविश्वास के कारण एक व्यक्ति ने दो वर्षीय अपने सगे भतीजे की कथित रूप से गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मासूम की हत्या के बाद उसका शव घर में ही छुपा दिया गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी के दौरान बच्चे को शव बरामद कर लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव निवासी ज्ञान सिंह का दो वर्षीय बेटा शिवा शुक्रवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान ज्ञान सिंह के बड़े भाई रामसूरत की बेटी शिवा को बहला कर अपने घर ले गई और रामसूरत व उसकी पत्नी ने शिवा की कथित रूप से गला दबाकर हत्या कर दी। सूत्रों ने बताया कि हत्या के बाद आटा रखने वाले डिब्बे में बच्चे का शव छुपा दिया गया। डिब्बे के ऊपर उपले लगा दिए गए। उन्होंने बताया कि शिवा के लापता होने पर उसके परिजनों ने उसकी खोजबीन की, मगर कुछ पता नहीं चला।

इसके बाद ज्ञान सिंह ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को ज्ञान सिंह ने बताया की उसे अपने बड़े भाई और उसकी पत्नी पर शक है कि उन्होंने ही शिवा को गायब किया है। इसके बाद पुलिस ने रामसूरत के घर की तलाशी ली, जिस दौरान उपलों के नीचे रखे आटे के डिब्बे से शिवा का शव बरामद हुआ। इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार राय ने बताया कि सख्ती से पूछताछ करने पर रामसूरत ने बताया की छह माह पहले उसकी बेटी के डेढ़ वर्षीय बेटे की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। उसे और उसकी पत्नी को शक था कि उसके छोटे भाई ज्ञान सिंह व उसकी पत्नी ने टोना टोटका करवा कर उसके नाती की जान ली है।

उन्होंने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में अनबन रहती थी। इसी वजह से अंधविश्वास के चलते बीती शाम रामसूरत व उसकी पत्नी तथा बेटी ने मिलकर इस घृणित कार्य को अंजाम दिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि ज्ञान सिंह की तहरीर पर उसके बड़े भाई रामसूरत, उसकी की पत्नी व बेटी के खिलाफ नामज़द मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

उन्होंने बताया कि बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस एक्सप्रेस समेत लंबी दूरी की ये पांच जोड़ी ट्रेनें रद्द, देखें लिस्ट

बिहार में राजगीर से नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस समेत पांच जोड़ी ट्रेनें 24 मार्च तक अलग-अलग तिथियों में रद्द रहेंगी। श्रमजीवी एक्सप्रेस के अलावा पटना से जम्मूतवी के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन, पाटलिपुत्र जंक्शन से चंडीगढ़ के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन समेत कुल 5 जोड़ी ट्रेनें अलग-अलग तिथियों में निरस्त रहेंगी।

वहीं, इन तिथियों में ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को किराया वापस किया जाएगा। ट्रेनों का परिचालन उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में चल रहे काम के कारण रद्द किया गया है। उतरेटिया ट्रांसपोर्ट नगर (रेलखंड आलमनगर-लखनऊ- रायबरेली और आलमनगर-लखनऊ-सुल्तानपुर) के दोहरीकरण कार्य हेतु 19 फरवरी तक प्री नन इंटरलॉकिंग और 20 से 23 फरवरी तक इन इंटरलॉकिंग के कारण गाड़ियों के परिचालन को निरस्त किया गया है। इस दौरान यात्रियों को अब दूसरे ट्रेनों में आरक्षण कराकर जाने से परेशानी होगी।

पुरी से आनंद विहार के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 02875 का मार्ग बदला गया है। पूरी आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 12 से 21 फरवरी के बीच रायबरेली, डलमऊ जंक्शन, उन्नाव और कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जाएगी। वापसी में भी ट्रेन अलग-अलग तिथियों में इन्ही स्टेशनों से अपने परिवर्तित मार्ग से चलेगी। बिहार में यह गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड से होकर गुजरती है।

बिहार कोरोना जांच फर्जीवाड़े को लेकर तेजस्वी पर नीतीश के मंत्री ने किया पलटवार, कही ये बात

कोरोना जांच को लेकर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आरोप पर सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पूरे कोरोना काल में तेजस्वी यादव बिहार से बाहर थे। विपत्ति के समय में राज्य की जनता को छोड़ दूसरी जगह चले जाने वाले विपक्ष के नेता आज सवाल उठा रहे हैं।

देश में वह इकलौता विपक्ष के नेता थे जो कोरोना के समय में राज्य को छोड़कर बाहर चले गए थे। मंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए बिहार में जिस व्यापक स्तर पर काम हुआ, उतना देश में कहीं और नहीं हुआ है। 10 हजार करोड़ से अधिक की राशि कोरोना काल में खर्च की जा चुकी है। इसी का परिणाम है कि बिहार में कोरोना से होने वाली मृत्यु दर करीब नगण्य है।

राज्य सूचना भवन में मीडिया सेंटर बनेगा उन्होंने कहा कि सूचना भवन में मीडिया सेंटर बनेगा।

सभी विभागों की प्रेस रिलीज यहां से पत्रकारों को उपलब्ध हो कराई जाएगी। मंत्री शनिवार को विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों और योजनाओं के साथ-साथ प्राथमिकताओं की सही सही जानकारी जनता तक पहुचे यह सुनिश्चित किया जाएगा।

आपको बता दें कि कोरोना जांच फर्जीवाड़े पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आनन फानन में जमुई के सिविल सर्जन समेत चार कर्मियों के सस्पेंड और छह कर्मियों की बर्खास्ती को महज दिखा बताया।

तेजस्वी ने ट्वीट करते हुए आरोप लगाया कि अरबों का कोरोना घोटाला सामने आने के बाद नीतीश जी दिखावटी तौर पर जैसा कि पूर्व के 61 घोटालों में करते आए हैं छोटे स्तर के कर्मचारियों को बर्खास्त करने का नाटक रच, धन उगाही कर JDU को चुनावी चंदा देने वाले उच्च अधिकारियों को बचायेंगे। यही नीतीश कुमार की स्थापित नीति, नीयत और नियम है।

इससे पहले तेजस्वी ने लगातार दो ट्वीट करते हुए कहा कि था कि बिहार में टेस्टिंग की संख्या 4 महीनों तक देश में सबसे कम रही।

यूपी पंचायत चुनाव में भाजपा का क्या होगा एजेंडा ?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी जैसा हीरा नेतृत्व सिर्फ भाजपा के पास ही है पार्टी पदाधिकारी उनसे प्रेरित होकर पार्टी और संगठन को आगे ले जाने का कार्य करें। देश की फिरकापरस्त ताकतें हमेशा मौके की तलाश में रहती हैं, इसलिए हमें राष्ट्रवाद के साथ पूरी सक्रियता से पंचायत चुनाव में आगे जाना है। स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा अवध क्षेत्र कार्यालय पर क्षेत्रीय पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों की बैठक में ये बातें कहीं। मुख्य अतिथि के पद से बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पदाधिकारी अपने दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन करें। पार्टी एकात्मवाद व अंत्योदय को आत्मसात करने में पूरी तरह जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि रोटी यदि तावे पर पलटी ना जाए तो जल जाती है, उसी तरह कार्यकर्ता को निरंतर चरैवेति-चरैवेति के सिद्धांत को अपनाते हुए निरंतर पार्टी के कार्य से चलते रहना चाहिए। प्रदेश महामंत्री व अवध क्षेत्र प्रभारी अमरपाल मौर्य ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी अफसर की तरह नहीं सहयोगी की तरह कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करें। यही हमारा मूलमंत्र होना चाहिए। पंचायत चुनाव व विधानसभा चुनाव जीतने के लिए देश व प्रदेश सरकार की जननीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

प्रशांत किशोर के घर पर चला बुल्डोजर, चहारदीवारी तोड़ी

बिहार के बक्सर में प्रशासन ने चुनावी रणनीतिकार और जनता दल यूनाइटेड के पूर्व नेता प्रशांत किशोर के पुश्तैनी घर की चहारदीवारी तोड़ दी है। इसी के साथ घर के ब्रह्म स्थान को भी तोड़ दिया गया है।

प्रशासन ने इस कार्रवाई के बाद खाली हुई जमीन कब्जे में ले ली है। इस बारे में फिलहाल प्रशांत किशोर की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मिली जानकारी के अनुसार एनएच-84 को फोर लेन बनाए जाने के लिए आजकल जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई चल रही है। इसी क्रम में प्रसिद्ध चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के पुश्तैनी घर का कुछ हिस्सा अधिग्रहित किया गया है। शुक्रवार को बुल्डोजर के साथ पहुंचे अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रशांत किशोर के घर की चहारदीवारी और ब्रह्म स्थान को ध्वस्त करा दिया।

सरकारी अमला पहुंचते ही भीड़ जुटी- बक्सर में प्रशांत किशोर के घर सरकारी अमला पहुंचते ही वहां आसपास के लोगों की काफी भीड़ जुट गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया और 10 से 15 मिनट के अंदर कार्रवाई पूरी कर ली गई। प्रशांत किशोर के घर की चहारदीवारी और गेट को तोड़ दिया गया।

इसके बाद ब्रह्मस्थान पर बुल्डोजर चला। इस दौरान किसी ने इस पूरी कार्रवाई का कोई विरोध नहीं किया।

हालांकि कार्रवाई के दौरान जुटे लोगों के बीच अधिकारियों ने अपनी ओर से चहारदीवारी और गेट तोड़े जाने की वजह स्पष्ट कर दी थी।

SPORTS खेल जगत

मोहम्मद कैफ ने सुनाया सचिन तेंदुलकर का पुराना किस्सा

वसीम जाफर के उत्तराखंड क्रिकेट टीम के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद से ही विवाद बढ़ गया था। उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन ने वसीम जाफर पर यह आरोप लगाया था कि वह मुस्लिम खिलाड़ी का सिलेक्शन चाहते लेकिन इस पर आम सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। हालांकि पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने इसे बेबुनियाद करार दिया था। अब इस पूरे प्रकरण पर भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी अपनी राय दी है, और लोगों से पूछा खेल में धर्म कहां से आ गया ?

'इंडियन एक्सप्रेस' में कैफ लिखते हैं, 'मैंने भी यूपी के लिए खेला, देश के लिए खेला, काउंटी क्रिकेट खेला लेकिन मुझे कभी धर्म के आधार पर कुछ नहीं कह गया।' उन्होंने कहा, 'सचिन तेंदुलकर अपने बैग में साईं बाबा की तस्वीर रखते थे। लक्ष्मण अपने भगवान, जहीर, हरभजन अपने-अपने आस्था के हिसाब चीजें रखते थे। हम सभी देश के लिए एक जुट होकर खेलते थे। इसलिए बाकि चीजें कभी चर्चा में आई ही नहीं।'

कैफ से पहले कई अन्य क्रिकेटर भी अपनी राय व्यक्त कर चुके हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भी इस पर हस्ताक्षेप की मांग की थी। जाफर भारत के लिए टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब का हिस्सा हैं।

आकाश चोपड़ा ने बताया कितने दिनों में खत्म हो जाएगा दूसरा टेस्ट मैच

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया है। भारतीय टीम में कई बदलाव किए गए है। दूसरे टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह को रेस्ट दिया गया है और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को मौका मिला है। जबकि अक्षर पटेल अपना टेस्ट डेब्यू कर रहे हैं, वहीं कुलदीप यादव की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। इन दोनों खिलाड़ियों के लिए वॉशिंगटन सुंदर और शाहबाज नदीम को टीम से बाहर होना पड़ा है। चेन्नई में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच को लेकर भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि 3.5-4 दिन में यह मैच समाप्त हो जाएगा। ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बात

करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, 'अभी के हिसाब से देखें तो 5 दिन का मैच इस पिच पर 3 दिन में समाप्त हो सकता है। इसलिए टॉस की अहमियत काफी बढ़ जाती है। अगर आप टॉस जीतते हैं तो आपको बढ़त मिल जाएगी। ऐसी पिच पर आप 2.5 दिन बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। ऐसे में 3.5 से 4 दिन में यह मैच समाप्त हो जाएगा।' यही बात कप्तान विराट कोहली ने भी टॉस के वक्त उन्होंने कहा, 'पहले दिन पिच बल्लेबाजी करने के लिए ठीक रहेगी, लेकिन दूसरे दिन से इसमें हरकत दिखेगा।'भारत और इंग्लैंड के बीच खेले टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया 0-1 से पिछड़ रही है। पहले मैच में टीम इंडिया को 227 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दमदार वापसी करेंगे स्टुअर्ट ब्रॉड

इंग्लैंड की भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत के बाद कप्तान जो रूट ने कहा है कि उनकी टीम का जीत का क्रम जारी रहेगा। इंग्लैंड भारत के खिलाफ पहला टेस्ट 227 रनों से जीतने के बाद चार मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है। इंग्लैंड की भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में यह जीत विदेशी धरती पर लगातार छठी जीत है। रूट ने कहा कि इंग्लैंड शनिवार को चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में भी शानदार प्रदर्शन करेगा। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे मैच में वापसी करने वाले स्टुअर्ट ब्रॉड शानदार खेल दिखाएंगे।इंग्लैंड के कप्तान ने कहा कि हम इन स्थितियों में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं और यहां अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई योजनाओं पर काम कर रहे हैं।

रोहित शर्मा की सेंचुरी पूरी होने पर पत्नी रितिका का कुछ रहा रिएक्शन

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया है। हालांकि टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। शुभमन गिल बिना खाता खोले ही आउट हो गए। उसके बाद रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा ने भारत की पारी को संभाल लिया था। लेकिन पुजारा भी लम्बी पारी नहीं खेल पाए और जैक लीच के शिकार हुए। पुजारा अपनी पारी के दौरान 58 गेंदों पर 21 रन ही बना पाए थे। रोहित शर्मा अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। उन्होंने शानदार हाफ सेंचुरी लगाई है। रोहित 64 गेंदों पर 65 रन बनाकर खेल रहे हैं। अपनी पारी के दौरान रोहित शर्मा ने अबतक 10 चौका और एक छक्का लगाया। रोहित की हाफ सेंचुरी पूरी करने के बाद उनकी पत्नी रितिका काफी खुश नजर आ रही थी। वह स्टैंड से रोहित और टीम का हौसला बढ़ा रही हैं। रोहित शर्मा के साथ अजिंक्य रहाणे बल्लेबाजी कर रहे हैं। कप्तान कोहली बिना खाता खोले ही आउट हो गए।

एक साल बाद स्टेडियम में सुनाई दिया दर्शकों का शोर, कुछ ऐसा था नजारा, देखें वीडियो

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। शुभमन गिल बिना खाता खोले ही आउट हो गए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी। दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने तीन बदलाव किए हैं। जसप्रीत बुमराह को रेस्ट दिया गया है। वहीं अक्षर पटेल अपना टेस्ट डेब्यू कर रहे हैं। जबकि कुलदीप यादव की टीम में वापसी हुई है।

कोरोना के कारण लगभग एक साल बाद स्टेडियम में दर्शकों की वापसी हुई है। मैच के दौरान दर्शक काफी उत्साहित दिख रहे हैं। लगभग 14 हजार दर्शक इस मैच का लुत्फ उठा रहे हैं। हालांकि बीसीसीआई की तरफ से काफी एहतियात बरता जा रहा है। दर्शकों की वापसी के दौरान नियम काफी सख्त हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से कहा गया है कि 50 प्रतिशत दर्शकों को ही अनुमति है। जब भी गेंद स्टैंड में जाएगी, तब और गेंदबाज को सैनेटाइज किया जाएगा। अलग-अलग सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। नियम तोड़ने पर पहले चेतावनी फिर कार्रवाई होगी। मैदान में प्रवेश करने से पहले तापमान लिया जाएग, साथ

सैनेटाइज भी किया जाएगा। मास्क पहनना अनिवार्य रहेगा। एहतियात के तौर पर 4 एंम्बुलेंस हमेशा तैयार रहेगी। 5 डॉक्टरों की टीम किसी भी इमरजेन्सी सर्विसेज के लिए उपलब्ध रहेंगी।

देश परदेश

भूकंप से थर्राया उत्तर भारत, जानें कब-कहां और कैसे हिली धरती

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, राजस्थान सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में शुक्रवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं।

धरती रात 10:34 बजे हिली और भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान में था और इसकी तीव्रता 6.3 बताई गई। कुछ ही मिनटों बाद पंजाब में दोबारा भूकंप आने की खबरों से डर का माहौल बन गया। भूकंप विज्ञान विभाग ने पहले भूलवश बताया था कि भूकंप का केंद्र पंजाब के अमृतसर में 19 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था।

हालांकि उसने बाद में संशोधित बयान जारी कर पुष्टि की कि भूकंप दरअसल ताजिकिस्तान में आया। विभाग ने कहा कि यह गलती सॉफ्टवेयर के कारण हुई।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई। भूकंप रात 10 बजकर 34 मिनट पर आया। इसमें जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। भूकंप से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत अनेक स्थानों पर लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप के डर से लोग घरों से बाहर निकल आए।

जब भूकंप आया तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी शिकागो विश्वविद्यालय के छात्रों से डिजिटल तरीके से संवाद कर रहे थे, तभी उन्होंने कहा कि पूरा कमरा हिल रहा है। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, '2005 में आए भूकंप के बाद से श्रीनगर में आया कोई झटका इतना शक्तिशाली नहीं था जिसने मुझे घर से बाहर जाने को मजबूर किया हो। मैंने कंबल लिया और भागा। मुझे अपने साथ फोन ले जाना भी याद नहीं रहा, इसलिए जब जमीन हिल रही थी तब 'भूकंप ट्वीट नहीं कर पाया।'

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने ट्वीट किया, 'भूकंप के बाद अमृतसर या पंजाब के अन्य हिस्सों में क्षति की अभी तक कोई सूचना नहीं है। पंजाब पुलिस और स्थानीय प्रशासन के शीर्ष अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।' अमृतसर के पुलिस आयुक्त सुखचैन सिंह गिल ने कहा कि स्वर्ण मंदिर में सब कुछ सामान्य था और अनुयायी रोजमर्रा की तरह ही सेवा कर रहे थे।

एनसीएस के संचालन प्रमुख जेएल गौतम ने कहा, 'भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान था। शुरुआती जांच में पता चला था कि केंद्र अमृतसर था।

हमने उस जानकारी को संशोधित किया है।' पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने कहा कि संदेश 'प्रणाली में गलती से लिया गया था और इसे ठीक कर दिया गया है।

भूकंप इतना शक्तिशाली था कि दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर भारत के लोग घरों से बाहर भागते दिखे।

कोई भूकंप को कैमरे में कैद करने की कोशिश करता दिखा तो कोई पार्कों की तरफ भागता दिखा था।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- रजामंदी से अंतरधार्मिक विवाह करने पर सवाल नहीं पूछ सकती पुलिस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो वयस्क अगर विवाह के लिए राजी होते हैं तो पुलिस उनसे कोई सवाल नहीं कर सकती। न ही यह कह सकती है कि उन्होंने अपने माता पिता, परिवार या कुटुंब से इसकी अनुमति नहीं ली थी। अदालत ने कहा कि इस मामले में वयस्कों की रजामंदी सर्वोपरि है। विवाह करने का अधिकार या इच्छा किसी वर्ग, सम्मान या सामूहिक सोच की अवधारणा के अधीन नहीं है।

अदालत ने कहा कि जब उन्होंने विवाह का प्रमाण-पत्र दिखा दिया तो पुलिस को केस बंद कर देना चाहिए था, लेकिन बयान देने के लिए उन्हें पुलिस थाने धमकाकर बुलाना गैर न्यायोचित

है। दरअसल, एक हिन्दू लड़की और मुस्लिम लड़के ने शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दंपति ने आरोप लगाया कि जांच अधिकारी उन्हें कर्नाटक वापस आने के लिए मजबूर कर रहा है और पति के खिलाफ मामले दर्ज करने की धमकी दे रहा है।

न्यायमूर्ति एस.के. कौल की पीठ ने कहा कि हम इन हथकंडों को अपनाने में जांच अधिकारी के आचरण को दृढ़ता से रेखांकित करते हैं।

इस अधिकारी को परामर्श के लिए भेजा जाना चाहिए ताकि वह सीखे कि ऐसे मामलों का प्रबंधन कैसे किया जाए। पीठ ने पाया कि आईओ को शिकायत को बंद करने के लिए खुद को और अधिक जिम्मेदारी से पेश करना चाहिए था। अगर वह वास्तव में बयान दर्ज करना चाहता था तो उसे सूचित करना चाहिए था कि वह उनसे मिलने आए और बयान दर्ज कराए, बजाए पति के खिलाफ कार्रवाई की धमकी देने के कि पुलिस स्टेशन में आओ।

अदालत ने कहा कि पुलिस अधिकारियों के लिए आगे का रास्ता न केवल वर्तमान आईओ को परामर्श के लिए है, बल्कि पुलिस कर्मियों के लाभ के लिए ऐसे मामलों से निपटने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी जरूरी है।

हम पुलिस अधिकारियों से अगले आठ हफ्तों में इस मामले में इस तरह के सामाजिक संवेदनशील मामलों को संभालने के लिए कुछ दिशा-निर्देशों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए कार्रवाई करने की उम्मीद करते हैं।

प्राथमिकी को खारिज करते हुए पीठ ने लड़की के पिता को सलाह दी कि वे विवाह को स्वीकार करें और अपनी बेटी और दामाद के साथ सामाजिक संपर्क फिर से स्थापित करें।

उन्होंने कहा कि बेटी और दामाद को अलग करने के लिए जाति और समुदाय की आड़ में शायद ही कोई वांछनीय सामाजिक क़वायद होगी। अपनी शिक्षक बेटी के मुस्लिम इंजीनियर से विवाह करने पर पिता ने थाने में गुमशुदगी की रपोर्ट दर्ज करवाई थी।

नए लुक में नजर आएगी एसीयुक्त गरीब रथ एक्सप्रेस, बदला डिजायन और बढ़ेगी सीट

सहरसा सहित अन्य जगहों की गरीब रथ एक्सप्रेस नए लुक में नजर आएगी। रेल कोच फैक्ट्रियों में गरीब रथ एक्सप्रेस की डिजाइनिंग में बदलाव किया गया है। कोच के अंदर और बाहर की साज सज्जा, बर्थ के ले आउट में बदलाव किया गया है। सबसे खास बात यह कि एक कोच में 83 बर्थ का प्रावधान किया गया है। मतलब साफ कि पहले की तुलना में अधिक बर्थ कोच के अंदर रहेगी। पहले 72 या साइड मिडिल के कारण उससे कुछ अधिक सीट रहती थी, जो अब बढ़ जाएगी। बताया जा रहा है कि गरीब रथ का नया कोच इकोनॉमी श्रेणी का है। जो गरीब रथ के आईसीएफ कोच से अलग है।

गरीब रथ के नए इकोनॉमी कोच का लुक सुंदर दिखता है लेकिन इसमें सीट से संबंधित कई तरह की परेशानियों से भी यात्रियों को जूझना पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि इकोनॉमी कोच में अधिक बर्थ के प्रावधान के कारण बोगी के अंदर जगह कम पड़ गई है। सीट की चौड़ाई घटा दी गई है। साइड मिडिल बर्थ और भी छोटा है। जिसमें आरामदायक सफर तय होना संशय भरा नजर आता है। वहीं अच्छी बात यह है कि इकोनॉमी कोच का हर बर्थ मोटा होने के कारण आईसीएफ के मुकाबले बेहतर है। साइड लोअर बर्थ में बैठने के लिए दोनों सीट खुल जाता है जिस पर आराम से दो यात्री बैठ सके। दोनों सीट को जोड़ने के लिए ऐसा इंतजाम किया गया है जिससे बीच में कोई गेपिंग नजर नहीं आए। एर्गोनोमिक सीढ़ी और ल्यूमिनेसेंट आइज़ल मार्कर दिए गए हैं। विकलांग के अनुकूल शौचालय प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। नए एसी थ्री-टियर इकोनॉमी क्लास कोच के डिजाइन में कई अन्य इनोवेशन शामिल किए गए हैं। रेल मंत्री ने ट्विटर के स्वदेशी विकल्प कू (Koo) पर नए एसी थ्री इकोनॉमी कोच का वीडियो जारी किया है। बता दें कि कि इकोनॉमी कोच कोच फैक्ट्री कपूरथला में तैयार किए गए हैं। कोरोना की वजह से अभी सहरसा-अमृतसर अप डाउन गरीब रथ सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परिचालन बंद है। मार्च माह से ही लगातार गरीब रथ एक्सप्रेस के बंद रहने से सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। जब यह ट्रेन चलती थी तो भीड़ होने के कारण इसमें सीट के लिए मारामारी रहती थी।

कोरोना काल के बाद सिंगर फैजल सुलेमान का कमबैक

कोविड काल के दौरान कई कलाकारों की क्रिएटिविटी ज़्यादा उभर कर निकली है। ऐसे कलाकारों में सिंगर फैजल सुलेमान भी हैं, जिन्होंने कोरोना काल और लॉक डॉउन का समय अपने घर गोवा में बिताया और अब लगभग एक साल बाद गोवा से मुंबई लौटे हैं। उन्होंने लॉक डॉउन के दौरान ही दो गाने कंपोज किए हैं जो जल्द ही श्रोताओं और दर्शको के सामने होंगे। उनका एक गाना "मै तेरे संग" रिकॉर्ड हो चुका है जबकि दूसरा गीत जल्द ही रिकॉर्ड होगा। वह जल्द ही नैनीताल में अपने गीतों का विडियो शूट करने वाले हैं। मैं तेरे संग गीत को फैजल सुलेमान ने लिखा और कंपोज किया है और इसे अपनी आवाज़ भी दी है। यह गाना फास्ट ट्रैक है।

उल्लेखनीय है कि उनका का एक म्यूज़िक विडियो "तेरे शहर में" रिलीज़ होकर पॉपुलर हो चुका है जिसके बोल उन्होंने ही लिखे थे। उसको मनु ने कंपोज किया था और फैजल सुलेमान ने ही गाया था।

मै तेरे संग गीत कैसे तैयार हुआ, इस बारे में वह एक दिलचस्प कहानी शेयर करते हैं "गोवा में लॉक डॉउन के दौरान मुझे इस गीत का मुखड़ा सूझा और मैंने लिखना शुरू किया "मै तेरे संग यहां वहां...." और फिर लिखते लिखते ही इसकी धुन भी बननी शुरू कर दी। यह थोड़ा सा सैड रोमांटिक गीत है और उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे।"

उन का दूसरा गाना "तेरे बिना यारा जिया ना लागे" एक सोलफुल रोमांटिक सांग है। मार्च में उनका गाना रिलीज़ करने का प्लान है। इन दो गीतों के बाद वह एक हिंदी फिल्म का गाना भी गाने वाले हैं जिसकी डिटेल्स जल्द ही बताई जाएगी।

वह अपने इन गीतों को लेकर बेहद उत्साहित हैं क्योंकि यह गाने उस समय उन्होंने बनाए जब पूरी दुनिया एक भयावह स्थिति से गुजर रही थी। अपने ख्यालों को

नया धारावाहिक

'अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक साईबाबा' डी डी किसान' चैनल पर

तिरुपति फिल्म्स के बैनर तले बन रहे दैनिक धारावाहिक, **'अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक साईबाबा'** का प्रसारण **16 फरवरी २०२१** से प्रत्येक **सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे 'डी डी किसान' चैनल** पर होगा। इस धारावाहिक में पहली बार लोगों को साईबाबा का जीवन चरित्र, शिक्षा व उनके जीवन के उद्देश्य को उनके बचपन, युवा व वृद्धा अवस्था के जरिये दिखाया जा रहा है। इसमें साईबाबा के बचपन का रोल मास्टर आर्यन महाजन, युवावस्था का रोल सार्थक कपूर तथा वृद्धावस्था का रोल समर जयसिंह कर रहे है।

धार्मिक धारावाहिकों के मशहूर लेखक विकास कपूर इस धारवाहिक के निर्माता एवम् लेखक है।

जिन्होंने अब-तक लगभग 6000 घंटों के कार्यक्रम अपनी कलम से लिखे हैं। उनकी फिल्म `शिर्डी साईबाबा' को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अपने नए धारावाहिक के बारे में श्री कपूर का कहना है-``मैं चाहता था कि साईबाबा का जीवन चरित्र जो बहुत प्रेरक और महान है, जन जन तक पहुंचे, इसलिए आज से 6 साल पहले मैंने धारावाहिक को दूरदर्शन किसान में भेजा था और साईबाबा की अनुकम्पा से पिछले साल दूरदर्शन ने इसे हरी झंडी दे दी और अब यह लोगों तक पहुंचने जा रहा है। यह मेरे लिए सबसे सुखद है, क्योंकि आज भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को साईबाबा की शिक्षा और उपदेश को अपनाने की आवश्यकता है। इस शो के माध्यम से सभी तक बाबा के पूरे जीवन की कहानी पहुंचेगी।

किस तरह गाँव-देहात का एक अनजान-सा बालक, अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक साईबाबा बन गया। लोग राम व कृष्ण के पैदा होने से लेकर भगवान व अवतार बनने की कहानी तो जानते है, लेकिन साईबाबा के बचपन और युवावस्था की कहानी नहीं जानते है। साईबाबा के बचपन का संघर्ष, साधना, तपस्या आदि को विस्तार से इस शो में दिखाया गया। इसके लेखन में मेरे द्वारा लिखी पुस्तक साई की आत्मकथा, श्री साई सच्चरित्र, खापर्डे की डायरी, साईलीला पत्रिका इत्यादि का सहयोग लिया गया है।"

साईबाबा के युवा अवस्था की भूमिका निभाने वाले युवा व टैलेंटेड प्रतिभाशाली अभिनेता सार्थक कपूर (जो क्रिकेट पर बन रही फिल्म ``चल जीत ले ये जहाँ" के नायक भी हैं।) कहते है, " यह मेरे लिए काफी चैलेंजिंग था, मुझे इसके लिए काफी मेहनत भी करनी पड़ी। मैं साईबाबा को हमेशा संकट की घडी में याद करता हूँ और वे ही हमेशा मेरी मदद करते है। उनका चरित्र निभाना, मैं उन्हीं की कृपा मानता हूँ।

मुझे सबसे अधिक मेहनत बोलने के तरीके पर करनी पड़ी, क्योकि जो हमलोग बोलते है या जो हमारे बोलने का तरीका है व संतों और फ़क़ीरों से काफी अलग है। "

धारावाहिक के निर्देशक चंद्रसेन सिंह व विजय सैनी ने बताया कि साईबाबा के पूर्ण जीवन को दिखाना और उस समय को दर्शाना काफी मुश्किल काम था, लेकिन श्री विकास कपूर के लेखन और उनके अनुभव का साथ होने के कारण, हमें लगता है कि साईबाबा के जीवन के उद्देश्य, उनके ज्ञान, जन समस्याओं के समाधान का तरीका, लोगों तक पहुँचाने में हमलोग जरूर कामयाब होंगे।

दैनिक धारावाहिक,

'अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक साईबाबा' के कैमरामैन आर आर प्रिंस, संगीतकार अमर देसाई, एडिटर पप्पू त्रिवेदी, लेखक विकास कपूर है और इसमें बैकग्राउंड म्यूजिक प्रकाश नार का है। इसके मुख्य कलाकार सार्थक कपूर, समर जय सिंह, आर्यन महाजन, गजेंद्र चौहान, यशोधन राणा, महेश राज, किशन भान, शीश खान, प्रिया ग्राबे, हेमल धरिया, जावेद शेख, आयुषी सांगले, अभिषेक, गणेश मेहरा, किशोरी शहाणे, कीर्ति सुले, राजन श्रीवास्तव, मुस्कान सैनी, वैशाली दभाड़े, राकेश डग, सुनील गुप्ता इत्यादि हैं।

बाइकर जॉन

अभिनेता जॉन अब्राहम ने `सत्यमेव जयते २' की शूटिंग पूरी कर ली है और अपनी आगामी फिल्म अटैक पर काम कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से, जॉन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं और फैंस के लिए वे अपनी फिल्म अटैक से तस्वीरें साझा कर रहे हैं। कुछ दिन पहले, अभिनेता ने एक बाइक पर बैठकर और फिल्म अटैक कि क्रू से बात करते हुए तस्वीर शेयर कि थी। वीडियो को शेयर करते हुए जॉन ने कैप्शन में लिखा, 'स्टनिंग, एक्शन, बाइक्स, अटैक' उन्होंने इस कैप्शन के साथ आग वाली इमोटिकॉन का भी इस्तेमाल किया हैं। जैसे ही जॉन ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, वैसे ही उनके फैंस अपने लाइक्स और कमेंटस द्वारा बेहद प्यार देते नजर आए। जहां एक यूजर ने लिखा, 'हम बेसब्री से आपकी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं' वहीं दूसरे यूजर ने हार्ट इमोटिकॉन बनाए।

फिट हो गईं राशि खन्ना

फिट बॉडी पाने के लिए स्टार्स कड़ी मेहनत करते हैं, वहीं इसी मेहनत के साथ कई बार चौंकाने वाले नतीजे भी सामने आते हैं। हाल ही में साउथ फिल्म इंड्स्ट्री की एक्ट्रेस राशि खन्ना ने भी कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। उन्होंने साल भर में जबरदस्त फिट बॉडी हासिल कर ली है। राशि ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करते हुए फिटनेस जर्नी के बारे में भी जानकारी साझा की है। राशि ने बताया कि उन्होंने ये फिटनेस नॉनवेज छोड़ने के बाद पाई है। राशि ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इन्हीं तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी फिटनेस जर्नी के बारे में भी बताया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि ये एक साल फिटनेस के मामले में काफी ग्रिलिंग रहा, जहां मेरे ट्रेनर कुलदीप सेठी ने मुझे मेरी सबसे सीमाओं के आगे जाने में मदद की और वादा किया कि सावधानीपूर्वक अनुशासन का पालन और हेल्दी स्ट्रिक्ट डायट से अच्छे नतीजे मिलेंगे। उसके बाद उन्होंने लिखा है कि मैं पिछले एक साल से पूरी तरह शाकाहारी हूं।

जिम में पसीना बहाया

अभिनेता ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपने कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

हाल ही में सुजैन ने अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वो वर्कआउट करती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो पुशअप्स करती हुई नजर आ रही हैं।

इस वीडियो को सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर किया है। सुजैन के इस वीडियो पर मलाइका अरोड़ा ने भी इमोजी शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मलाइका ने कमेंट में बाइसेप्स के इमोजी शेयर किए। मलाइका के अलावा सुजैन खान की बहन फराह खान अली ने भी प्रेजिंग इमोजी शेयर कर उनका हौसला बढ़ाया। बता दें कि सुजैन खान पेशे से एक इंटीरियर डिजाइनर हैं। उन्होंने द चारकोल प्रोजेक्ट नाम का अपना एक इंटीरियर डिजाइन स्टूडियो भी बनाया है।

रुबीना इन फाइनल

बिग बॉस-१४ में गुरुवार के एपिसोड की शुरुआत 'टिकट टू फिनाले' टास्क की तैयारियों से हुई।

निक्की तंबोली ने रुबीना दिलैक से कहा कि वह टास्क में उनका सपोर्ट करेंगी। 'टिकट टू फिनाले' टास्क में जाने का मौका देने का फैसला पारस छाबड़ा को करना था। पारस छाबड़ा ने फिनाले में जाने का मौका रुबीना दिलैक को दिया, लेकिन इसके साथ ही एक मोड़ यह भी था कि रुबीना के पास एक कंटेस्टेंट को अपने साथ आगे ले जाने का मौका था।

रुबीना ने निक्की तंबोली के साथ दोस्ती दिखाते हुए उन्हें अपने साथ आगे ले जाने का पैâसला किया। जहां निक्की घर की पहली फाइनलिस्ट बनीं। इस निर्णय पर राहुल वैद्य और अली गोनी ने पारस छाबड़ा से कहा कि उन्होंने टास्क को लेकर गलत निर्णय लिया है। सभी को यही लग रहा है कि टास्क को लेकर पारस रुबीना की साइड ले रहा है।

वहीं देवोलीना एक बार फिर से बेकाबू होती नजर आई। पारस ने सभी कंटेस्टेंट्स के सवाल उठाने के बाद भी अपना निर्णय नहीं बदला और रुबीना को विजेता घोषित किया।

जाह्नवी ने डाली जान आफत में!

अदाकारा श्रीदेवी और फिल्ममेकर बोनी कपूर की बड़ी बेटी जाह्नवी यूं तो हिंदी सिनेमा में आने से पहले ही मशहूर हो गई थीं लेकिन उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने हुनर के जरिए खुद को साबित किया है। जाह्नवी फिल्मों की शूटिंग के दौरान बीच-बीच में मौज-मस्ती करने में यकीन रखती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'गुड लक जैरी' से अपनी कुछ वीडियो और तस्वीरें साझा की हैं। इन वीडियोज में से एक में वह ई-रिक्शा चलाती नजर आ रही हैं। क्रू के सदस्य यात्रियों की सीटों पर बैठे नजर आ रहे हैं। जाह्नवी ई-रिक्शा चला रही हैं और यात्री कहते नजर आ रहे हैं कि हमें बचाओ! जाह्नवी कपूर ने अपनी बहन खुशी कपूर की भी तस्वीरें साझा की हैं, जो कि उनके साथ शूटिंग सेट पर जाती नजर आ रही हैं। जाह्नवी ने खुशी के साथ अपनी तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा-फिल्म की शूटिंग करने में बहुत मजा आता है। बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब जाह्नवी शूटिंग सेट पर मौज मस्ती करती नजर आ रही हैं। इससे पहले भी गुड लक जैरी के सेट से उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे।

मैं बंजारन नाचूं-गाऊं! नोरा का अनोखा नृत्य

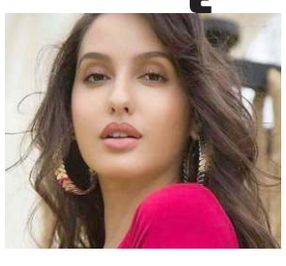

अपने डांस मूव्स के लिए मशहूर नोरा फतेही का नया गाना `छोड़ देंगे' रिलीज हुआ है जो लोगों को खूब पसंद आ रहा है। यही कारण है कि इसके व्यूज का आंकड़ा यू ट्यूब पर बढ़ता ही जा रहा है। नोरा के दिलबर, साकी साकी और कमरिया की तरह ही ये गाना भी खूब पसंद किया जा रहा है। नोरा फतेही के इस गाने को अब तक ५० मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि इसे रिलीज हुए ५ दिन ही हुए हैं। नोरा के बदले पर आधारित ये गाना खूब पसंद किया जा रहा है। अब तक नोरा को हिप हॉप स्टाइल और बेली डांस ही ज्यादा करते हुए देखा गया है। लेकिन एथनिक इंडियन स्टाइल में नोरा का डांस इस बार काफी अलग है जिसे उनके पैंâस खूब पसंद कर रहे हैं।

मातृभक्त सारा!

बार-बार सारा अली खान ने अपनी मां अमृता सिंह के लिए अपने प्यार का इजहार किया है और एक इंटरव्यू में सारा ने अपनी मां के साथ जीवन बिताने को लेकर इरादा जताया था। ९ नवंबर, २०२१ को अमृता सिंह आज ६३ की हो गईं और सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर अपनी मां के लिए खास पोस्ट भी शेयर किया। सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम और अपनी मां के साथ मालदीव में छुट्टियां मना कर मुंबई वापस लौटी हैं। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की और उसी के साथ कैप्शन में लिखा कि, 'मेरी दुनिया को जन्मदिन की बधाई। मेरा दर्पण, ताकत और प्रेरणा बनने के लिए आपका धन्यवाद।'

बैचलर ऑफ वोकेशन (इंटीरियर डिजाइन) उभरता हुआ कैरियर विकल्प कार्यक्रम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार व्यावसायिक कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है। बैचलर ऑफ वोकेशन कार्यक्रम यू.जी.सी (University Grants Commission) के प्रत्यक्ष दायरे में हैं। कार्यक्रम को एन.एस.क्यू.एफ (National Skill Quality Framework) नीति के साथ संरेखित है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यावसायिक कार्यक्रम प्रोटोकॉल का पालन करें।

बैचलर ऑफ वोकेशन (इंटीरियर डिज़ाइन) मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध एक तीन वर्षीय डिग्री प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में वर्कशॉप और हैंड्स-ऑन स्किल बेस्ड लर्निंग शामिल हैं। सिलेबस का घटक व्यावहारिक शिक्षण पर आधारित है जबकि सिद्धांत घटक को कम से कम महत्व दिया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग के लिए प्रोफेशनल्स तैयार करना है। आने वाले समय में अधिक से अधिक छात्र उन

कार्यक्रमों के लिए आकर्षित होंगे, जो उद्योग के लिए तैयार हैं और आसान रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशल प्रदान करते हैं। वोकेशन में बैचलर के तहत प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान और उद्योग के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। सेमिनार, वर्कशॉप, इंडस्ट्रियल विजिट, केस स्टडी, इंटर्नशिप, स्किल एन्हांसमेंट, स्टार्टअप के लिए एंटरप्रेन्योरशिप और कैपेसिटी बिल्डिंग इस कार्यक्रम की कुछ प्रमुख विशेषताएं हैं। बैचलर ऑफ वोकेशन (इंटीरियर डिज़ाइन) से स्नातक व्यावसायिक, आवासीय, औद्योगिक, सेट, आतिथ्य, फर्नीचर और उत्पाद डिजाइन जैसे विशेषज्ञताओं को लेने के अवसरों के पैंडोरा बॉक्स खोलता है। यह विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम का प्रवेश स्तर कुल अंकों की न्यूनतम आवश्यकता के साथ किसी भी स्ट्रीम में एच.एस.सी है। हालांकि एक पेशेवर डिग्री प्रोग्राम होने के नाते उम्मीदवार को कार्यक्रम के लिए योग्य होने के लिए एक एप्टीट्यूड टेस्ट देना होगा।

विस्तृत पाठ्यक्रम सामग्री मुंबई विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, अधिक जानकारी के लिए आप tsap. mumbai. co.in पर देख सकते हैं।

निर्देशक कृष्णा चौहान फिल्म निर्माण के अतिरिक्त अवॉर्ड शो व समाजसेवा के लिए हैं चर्चित

मुम्बई : बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इन्होंने कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो बनाया है और अब हिंदी फ़ीचर फिल्म भी बनाने जा रहे हैं। कृष्णा चौहान की एक फाउंडेशन भी है, जिसका नाम है कृष्णा चौहान फाउंडेशन। जिसके अंतर्गत कृष्णा कई अवार्ड्स शो का भी आयोजन करते हैं। इसके साथ ही कृष्णा की गोरखनाथ मूवीज नामक प्रोडक्शन कंपनी भी है। जिसके अंतर्गत कृष्णा फिल्मों, एड फिल्मों और म्यूजिक वीडियो का निर्माण करते हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड का आयोजन सन 2019 से किया जा रहा है। इसके अलावा केसीएफ से समाजसेवा, फ़ूड वितरण और भगवद गीता का वितरण किया जाता है। कृष्णा इसी महीने फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड करने जा रहे हैं। इसके बाद चौहान अपने जन्मदिन यानी कि 4 मई को लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2021 का आयोजन भी करेंगे। इसमें सभी उपस्थित मेहमानों का खास ध्यान रखा जाएगा और इस साल के अंत में कृष्णा द्वारा 26 दिसम्बर को बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड का आयोजन किया जाएगा। इसी फरवरी माह में कृष्णा अपनी हिंदी फिल्म की घोषणा कर मुहूर्त करने वाले हैं। जिसकी शूटिंग वे अप्रैल महीने से शुरू करेंगे। इसके साथ ही कृष्णा चौहान निर्देशित फिल्म 'जीना नहीं तेरे बिना' और हिंदी म्यूजिक एल्बम 'ज़िक्र तेरा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। कृष्णा द्वारा साल 2020 में कोरोना महामारी के बीच में कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई गईं थी एवं साल के अंत में बॉलीवुड, मीडिया और सोशल वर्करों को लीजेंड दादासाहेब फाल्के 2020 और बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 सम्मानित किया गया था। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और पिछले 18 वर्षों से वे मुंबई में रह रहे हैं। अपने स्ट्रगल के दिनों में

कृष्णा ने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया है। आज कृष्णा इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं है। आज के समय में कृष्णा से हर बड़ा बैनर परिचित है। चौहान को अपनी शार्ट फ़िल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है।

कच्छ के व्रजवानी धाम में "मानस व्रजवानी" शिर्षक अंतर्गत मोरारीबापू का कथा गान

पूज्य मोरारी बापू की कूल कथा क्रम की ८५५वीं, एवं कच्छ की भूमि पर आयोजित २८वीं राम कथा का १३ फरवरी से "मानस व्रजवानी" शिर्षक अंतर्गत शुभारंभ हुआ। कथा के प्रारंभ में पूज्य बापू ने - मां आशापुरा, दादा मेकरण, सभी आदरणीय साहित्यकार, दानवीर एवं शुरवीरों की इस भूमि में कथा गाने का अवसर मिला, इस बात की प्रसन्नता व्यक्त की। श्रीमद् भागवत् में व्रज भूमि को बैकुंठ का एक टुकड़ा बताया गया है। व्रज में भगवान कृष्ण के द्वारा रची गई रासलीला की तरह, इस भूमि पर भी एक अद्भुत प्रेम दृश्य रचा गया था।बापू ने कहा कि - "कच्छ का कच्छा मजबूत है। यानी कि संयम, मर्यादा और पवित्र नजर इस भूमि की विशेषता है। यहाँ पर कथा गाने का मुझे विशेष आनंद मिल रहा है। क्योंकि यहाँ नाद ब्रह्म के साथ तालब्रह्म का संयोग हुआ और आखिर में प्रेम ब्रह्म प्रगट हुआ।पूज्य बापू ने कहा कि" यह सत्य, प्रेम और करुणा की भूमि है। साढे पांच सो साल पूर्व यह घटना घटी है यह बिल्कुल सच है - इसलिए इस भूमि में सत्यत्व है।

दूसरी बात - जिस तरह से यहां पर सभी विगलित होकर प्रेम- मग्न हुए, इससे हम कह सकते है कि ईस भूमि में प्रेम तत्व है। और तीसरी बात - उस समय में, देश-काल की परिस्थिति के अनुसार इस घटना का जिस तरह से अंत हुआ, इससे हम कह सकते हैं कि यहां करुणातत्व है। बापू ने कहा कि इस कथा का नामकरण "व्रजवानी" रखा गया है, पर यहां नौ दिन तक रामकथा की वाणी प्रगट होगी। मार्मिक रूप से बापू ने कहा कि "व्यासपीठ की भाषा को नहीं, भाव को पकड़ोगे तो नव दिन बृज वाणी में होने की महसूसी कर पाओगे।बापू ने कहा कि -

" मेरे लिए नौ दिन की इस कथा ढोल वादक एवं १४० बेटियों का भंडारा है।"कथा के क्रम में प्रविष्ट होते हुए, पूज्य बापू ने बताया कि तुलसीदासजी रामकथा को 'सकल लोक जग पावनी गंगा " कहते है। वंदना प्रकरण में, गुरु वंदना की बात करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि-"अगर गुरु के

प्रति हमारी शरणागति परिपूर्ण है, तो गुरु के चरणों में ही पंचदेव है। गुरु और वेदांत के वाक्य में पूरा भरोसा - विश्वास होने का नाम ही श्रद्धा है। हमारी श्रद्धा कभी खंडित नहीं होनी चाहिए। अगर गुरु के चरणों में पूर्णरूपेण हमारी निष्ठा प्रतिष्ठित हो जाए, तो गुरु में ही पंचदेव की वंदना हो जाती है! जिनमें गुरु निष्ठा है, उसका यह अनुभव है कि आखिर में गुरु ही हमारा हाथ थाम लेते है। गुरु ही हमारे मददगार बनते है।आपने कहा कि आदमी के सामने तीन प्रकार की समस्याएं आती है। कुछ समस्या का समाधान पैसों से मिलता है।

पैसे मिल जाए, तो समस्या खत्म हो जाए। कुछ समस्या का निराकरण प्रेम से ही मिल सकता है। और तीसरे प्रकार की समस्या - हमारे प्रारब्ध के कारण पैदा हुई होती है।

प्रारब्ध कर्म खत्म हो जाने से समस्या भी खत्म हो जाती है।बापू ने गुरु के प्रति अपने परिपूर्ण समर्पण भाव को व्यक्त करते हुए कहा कि -

"ऐसी तीनों प्रकार की समस्या का समाधान गुरु के शरण में समर्पित हो जाने से अवश्य ही मिल जाता है।जिसके चरणों में हमारी आस्था हो, ऐसे गुरु की कृपा से ही तमाम समस्या हल हो जाती है।"

पूज्य बापू ने तलगाजरडी व्यासपीठ की प्रवाही परंपरा के अनुसार वंदना प्रकरण में श्री हनुमानजी की वंदना के साथ आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

मनोज जोशी(महुवा)
पत्रकार - मुंबई तरंग

पैंगोंग झील से 19 फरवरी तक पूरी तरह पीछे हट जाएगी चीनी सेना, समझौतों का ईमानदारी से पालन कर रहा ड्रैगन

भारत और चीन के बीच बनी सहमति के अनुसार अगले हफ्ते तक लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील से सैनिक वापस बुला लिए जाएंगे। सैटलाइट तस्वीरों से यह पता लग रहा है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी इस क्षेत्र से तेजी से वापस लौट रही है। सैटलाइट तस्वीरों में झील के उत्तरी किनारे से चीन के भारी वाहनों की आवाजाही में तेजी देखी गई है।

शुक्रवार को साउथ ब्लॉक (जहां रक्षा, विदेश मंत्रालय और पीएमओ-एनएसए ऑफिस है) में इस प्रक्रिया की समीक्षा हुई। भारतीय सेना के टॉप ऑफिसरों ने सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पर संतोष जाहिर किया। 10 फरवरी से शुरू हुई यह प्रक्रिया 19 फरवरी तक पूरी हो सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'मैं समझता हूं कि इस दिशा में अच्छी प्रगति हो रही है। पीएलए सहमति से हुए समझौते के मुताबिक, बहुत तेजी से पीछे हट रहा है।'समझौते के मुताबिक, चीन अपनी सेना की टुकड़ी को नॉर्थ बैंक में फिंगर 8 के पूर्व में रखेगा और भारतीय सेना फिंगर 3 पर धन सिंह थापा पोस्ट पर वापस लौटेगी। फिंगर 4 से 8 के बीच का पूरा इलाका डिमिलिटराइज्ड रहेगा। यहां पट्रोलिंग को लेकर बाद में कमांडर स्तर की वार्ता के दौरान फैसला लिया जाएगा। पैंगोंग त्सो के दक्षिणी किनारे से चीन के मुख्य युद्धक टैंकों की वापसी के सबूत हैं। हालांकि, पूर्वी या मध्य इलाकों से चीनी सेना या उसके हथियारों की वापसी के कोई सबूत अब तक नहीं हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, पैंगोंग झील पर सैनिकों की हटने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों पक्ष गोगरा-हॉट स्प्रिंग और देपसंग में भी सैनिकों को हटाने के लिए वार्ता करेगा। करीब 10 महीने तक जारी रहे गतिरोध के बाद सैनिकों के हटने से जहां एक तरफ भारतीय सेना संतुष्ट है तो वहीं, वे इस बात से भी अवगत हैं कि इस प्रक्रिया का मतलब शांति नहीं है। फिलहाल दोनों देशों की सेनाओं को अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति पर लौटना है ताकि भविष्य में किसी सैन्य संघर्ष से बचा जा सके। एक वरिष्ठ मिलिटरी कमांडर ने बताया, 'सैनिकों का पीछे हटना शांति स्थापित करने की पूरी प्रक्रिया का एक हिस्सा है।'

सैटलाइट तस्वीरों के जरिए सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पर हर दिन नजर रखी जाती है लेकिन भारतीय सेना के लिए बड़ी चिंता का विषय मार्च और जून में तिब्बत और शिनजियांग क्षेत्र में आयोजित होने वाले सैन्य अभ्यास के दौरान पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमांड का रवैया है। काराकोरम पास और शियादुल्लाह में पीएलए सैनिकों की तैनाती में कोई बदलाव नहीं आया है। इसके अलावा दौलत बेग ओल्दी सेक्टर में भी चीन की सेना अड़ी हुई है। यह एक बड़ी वजह है कि भारतीय सेना लद्दाख में चीनी सैनिकों के पीछे हटने वाले समझौते पर भरोसा तो कर रही है लेकिन जमीन पर स्थानीय चीनी कमांडरों के आक्रामक रवैये की वजह से वह हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है।

चमोली त्रासदी अपडेट: सुरंग से दो और शव बरामद, सात दिन बाद भी जारी है जिंदगी बचाने की जंग

उत्तराखंड के चमोली में आई आपदा के बाद तपोवन पावर प्रोजेक्ट की सुरंग में फंसे लोगों को बचाने का प्रयास जारी है। सात दिन बीत चुके हैं पर बचाव दल अभी भी अंदर फंसे लोगों तक नहीं पहुंच पाया है। इस बीच रविवार तड़के सुबह रेस्क्यू टीम ने सुरंग से दो और शव बरामद किए हैं। इसके साथ ही रैणी की आपदा के बाद अबतक 40 शव बरामद हो चुके हैं। उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि तपोवन (चमोली में) में मुख्य सुरंग के किनारे से आज दो शव बरामद किए गए हैं। उत्तराखंड पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान दोनों शवों निकाल रहे हैं। 7 फरवरी को आई आपदा के बाद से सुंरग में फंसे लोगों को बचाने के लिए दिन रात अभियान चल रहा है। मलबा बना मुसीबत सुरंग के अंदर एक मोड़ है, जिसे टी प्वाइंट कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि सभी लोग वहीं फंसे हो सकते हैं पर वहां तक पहुंचने के लिए 44 मीटर का मलबा हटाना होगा। बचाव दल जितना मलबा हटा रहा है, उतना ही पीछे की तरफ आ जाता है। इससे ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं। एनटीपीसी के महाप्रबंधक ने बताया कि बचाव दल के लोग सुरंग में 136 मीटर तक ही जा पा रहे हैं। बैराज में उतरे दल एक सप्ताह बाद पहली बार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों ने बैराज की तरफ से नदी में उतर कर, बहे लोगों को पता लगाने का प्रयास किया। अब बैराज की तरफ से भी मलबा हटाने और नदी का बहाव बंद करने के प्रयास किए जा रहा हैं। इसके लिए बांई तरफ से एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है। साथ ही रैणी गांव में स्थित ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट से भी मलबा हटाने का प्रयास तेज किया गया। डीएम स्वाति भदौरिया के मुताबिक स्थानीय लोगों की जानकारी के आधार पर भी चिन्हित स्थानों से मलबा हटाया जा रहा है। अब तक 13 लोगों की ही पाई है शिनाख्त आपदा के बाद बरामद 40 में से 13 शवों की अब तक पहचान हो पाई है। इस बीच जोशीमठ कोतवाली में अबतक 14 लोगों की गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है। डीआईजी नीलेश आनन्द भरणे के मुताबिक आपदा के बाद से स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ, फायर सर्विस और एफएसएल दल खोज, राहत और डीएनए सैम्पलिंग के कार्यों में लगी हुई है।

यहां स्मोकिंग करना मना है! 88 फीसदी भारतीय चाहते हैं और मजबूत हो तंबाकू निषेध कानून

देश में तंबाकू निधेष कानून 'कोटपा' को मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। ठीक उसी समय हुए एक सर्वेक्षण में इस प्रकार की मुहिम को समर्थन मिलता दिख रहा है। 88 फीसदी लोगों ने मौजूदा तंबाकू निषेध कानून को कठोर बनाए जाने की जरूरत बताई। देश में तंबाकू के सेवन के कारण होने वाली बीमारियों से प्रतिवर्ष दस लाख से ज्यादा मौतें होती हैं। देश में 26 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त होते हैं। इससे प्रतिवर्ष जीडीपी के एक फीसदी के बराबर यानी 1,77,341 करोड़ की क्षति देश को होती है। यह सर्वेक्षण कंज्यूमर वाइस की तरफ से 10 राज्यों में 1476 वयस्क लोगों के बीच किया गया। इनमें से 80 फीसदी लोगों ने माना कि सिगरेट, बीड़ी का सेवन और तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। 72 फीसदी लोग पैसिव स्मोकिंग (दूसरों के पीने से निकले धुंए का खतरा) के खतरों से वाकिफ थे और इसे गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में देखते हैं। 82 फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा कि कई स्वरूपों में होने वाला तंबाकू का सेवन खतरनाक है। जबकि 77 फीसदी ने बीड़ी सेवन के खतरों को माना।

पुलवामा हमले के दो साल: बिखरे पड़े थे जांबाजों के शव, खून से सनी थी सड़क, मंजर देख दहल उठा था देश

दिन था गुरुवार, तारीख 14 फरवरी 2019 यानी वैलेंटाइन डे और समय करीब दोपहर के 3.30 बज रहे थे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 2500 जवानों को लेकर 78 बसों में सीआरपीएफ का काफिला गुजर रहा था। सामान्य दिन की तरह ही उस दिन भी सीआरपीएफ के वाहनों का काफिला अपनी धुन में जा रहा था। हालांकि, घाटी में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए काफिले में चल रहे सभी सुरक्षाकर्मी सतर्क थे। सड़क पर उस दिन भी सामान्य आवाजाही थी। सीआरपीएफ का काफिला पुलवामा पहुंचा ही था, तभी सड़क के दूसरे साइड से सामने से आ रही एक कार ने सीआरपीएफ के काफिले के साथ चल रहे वाहन में टक्कर मार दी। जैसे ही सामने से आ रही एसयूवी जवानों के काफिले से टकराई और जब तक सीआरपीएफ के जवान कुछ समझ पाते तब तक विस्फोटकों से लदी इस कार ने ऐसा धमाका किया, जिससे पूरा देश दहल उठा। और इस तरह 14 फरवरी का दिन भारत के इतिहास में काला दिन साबित हो गया। आज उसी पुलवामा अटैक की दूसरी बरसी है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।